हमने सर्वेक्षण में शामिल युवाओं से उनकी वर्तमान गतिविधियों के बारे में क्या पूछा?

पूछे गए प्रश्नों की पूरी सूची के लिए, युवा की जानकारी प्रपत्र पृष्ठ संख्या 210 पर देखें।

असर 2023 'बियॉन्ड बेसिक्स' में सर्वेक्षित युवाओं से उनके विद्यालय/कॉलेज/व्यावसायिक संस्थानों में नामांकन की स्थिति, और उनके काम की स्थिति के बारे में प्रश्न पूछे गए।

नामांकन

यदि युवा नामांकित है :

- विद्यालय/कॉलेज में
- स्ट्रीम (यदि कक्षा XI-XII या कॉलेज में है)
- ओपन और डिस्टेंस लर्निंग
- संस्थान का प्रकार

यदि युवा अनामांकित है :

- क्या पहले नामांकित थे
- पूरी की गई उच्चतम कक्षा
- पढ़ाई छोड़ने का कारण

परीक्षा और ट्यूशन

- परीक्षा (पढ़ाई या नौकरी संबंधित) की तैयारी
- शुल्क देकर ट्यूशन या कोचिंग

व्यावसायिक प्रशिक्षण/अन्य क्लास या कोर्स

- व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य क्लास जैसे कंप्यूटर, सिलाई आदि
- प्रशिक्षण की अवधि
- संस्थान का प्रकार

काम की जानकारी

- घर का काम
- कोई अन्य काम – कृषि या गैर-कृषि; परिवार या किसी अन्य व्यक्ति के लिए
- काम के लिए वेतन

सभी ज़िले गतिविधि

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

नामांकन

टेबल 1: आयु और नामांकन स्थिति के अनुसार युवाओं का %

आयु	नामांकन स्थिति			अनामांकित	कुल
	विद्यालय (कक्षा X या उससे नीचे)	विद्यालय (कक्षा XI या कक्षा XII)	अंडरग्रेजुएट या अन्य		
14	94.7	1.4	0.1	3.9	100
15	81.0	11.6	0.2	7.2	100
16	44.8	42.6	1.6	10.9	100
17	15.0	57.3	9.4	18.3	100
18	6.9	31.1	29.5	32.6	100
सभी युवा	52.5	27.6	6.7	13.2	100

'अनामांकित' में ऐसे युवा सम्मिलित हैं जिनका कभी नामांकन नहीं हुआ या जो ड्रॉप आउट हैं।
'अंडरग्रेजुएट या अन्य' में ऐसे युवा सम्मिलित हैं जो कॉलेज में कोई अंडरग्रेजुएट डिग्री या सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर रहे हैं।

चार्ट 1: आयु, संस्थान के प्रकार और लिंग के अनुसार विद्यालय या कॉलेज में नामांकित युवाओं का %

चार्ट 2: आयु और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो विद्यालय या कॉलेज में नामांकित नहीं हैं

टेबल 2: लिंग के अनुसार पढ़ाई छोड़ने के कारण (%)। आयुवर्ग 17-18 वर्ष

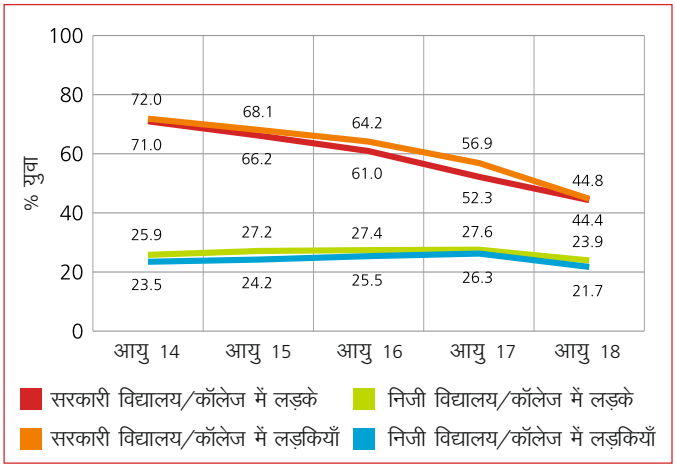

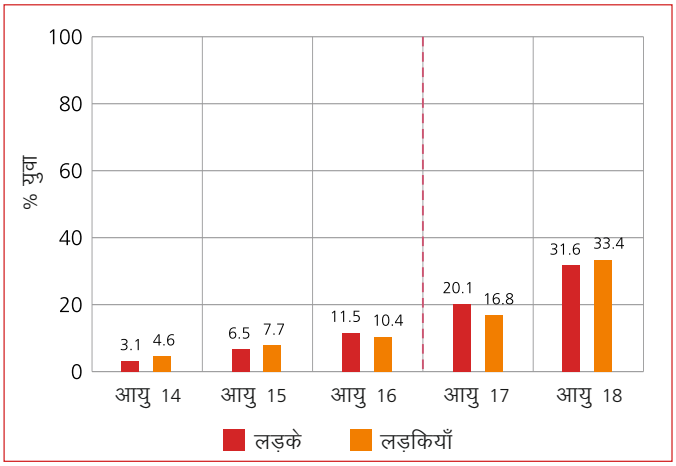

लिंग	युवाओं का % जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी है	इनमें से, युवाओं का % जिन्होंने पढ़ाई छोड़ने के निम्नलिखित कारण बताएँ :									
		आगे पढ़ने में रुचि नहीं	आर्थिक बाधाएँ	पारिवारिक बाधाएँ	फेल हो गए	व्यावसायिक प्रशिक्षण ले रहे हैं	विद्यालय/ कॉलेज दूर है	स्वयं की बीमारी	परीक्षाओं की तैयारी	अन्य	कोई उत्तर नहीं
लड़के	24.4	24.2	16.9	12.9	13.4	11.9	2.1	4.3	2.9	13.1	8.2
लड़कियाँ	23.6	14.3	18.2	20.3	12.9	4.2	10.8	7.1	4.3	11.9	11.4
सभी 17-18	23.9	18.9	17.6	16.9	13.1	7.8	6.7	5.8	3.6	12.5	9.9

युवा पढ़ाई छोड़ने के एक से अधिक कारण दे सकते थे। लड़कों में 'आगे पढ़ने में रुचि नहीं' (24.2%) और 'आर्थिक बाधाएँ' (16.9%) पढ़ाई छोड़ने के सबसे मुख्य कारण थे। लड़कियों में, सबसे मुख्य कारण 'पारिवारिक बाधाएँ' (20.3%) और 'आर्थिक बाधाएँ' (18.2%) थे।

टेबल 3: लिंग के अनुसार पढ़ाई छोड़ने से पहले पूरी की गई कक्षा (%)। आयुवर्ग 17-18 वर्ष

लिंग	युवाओं का % जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी है	इनमें से, उन युवाओं का % जिन्होंने निम्न कक्षा पूरी करने के बाद पढ़ाई छोड़ी :							
		VII या उससे नीचे	VIII	IX	X	XI	XII	XII से ऊपर	कुल
लड़के	24.4	13.6	15.3	21.9	20.6	4.3	23.1	1.2	100
लड़कियाँ	23.6	11.7	16.8	18.3	21.3	5.7	25.9	0.3	100
सभी 17-18	23.9	12.6	16.1	20.0	21.0	5.0	24.6	0.7	100

सभी ज़िले गतिविधि

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
AGE 14-18 असर ASER 2023 RURAL
Facilitated by PRATHAM

स्ट्रीम

कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित युवाओं के लिए

टेबल 4: स्ट्रीम चयन के अनुसार कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित युवाओं का %

कक्षा/स्तर	कला/मानविकी	STEM*	वाणिज्य	अन्य**	कुल
XI	54.8	32.9	10.0	2.3	100
XII	53.1	35.8	8.4	2.7	100
अंडरग्रेजुएट या अन्य	63.4	20.3	10.1	6.1	100
सभी	55.7	31.7	9.4	3.2	100

चार्ट 3: लिंग और स्ट्रीम चयन के अनुसार कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित युवाओं का %

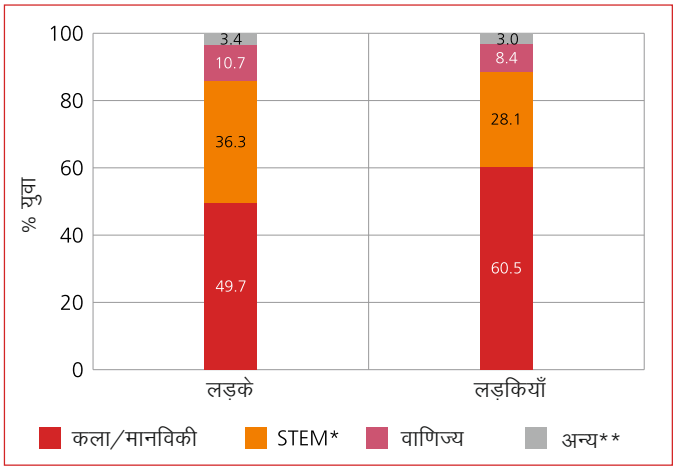

टेबल 5: संस्थान के प्रकार और स्ट्रीम चयन के अनुसार कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित युवाओं का %

संस्था का प्रकार	कला/मानविकी	STEM*	वाणिज्य	अन्य**	कुल
सरकारी	66.0	23.6	7.8	2.6	100
निजी	34.9	48.2	12.6	4.2	100
सरकारी + निजी	55.8	31.7	9.4	3.1	100

14-18 वर्ष के लगभग 90% बच्चे किसी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं, हालांकि आयुवर्ग के अनुसार इनमें अंतर है : बड़ी आयु के युवाओं के अनामांकित होने की संभावना अधिक है (टेबल 1, चार्ट 2)। निजी संस्थानों की तुलना में सरकारी संस्थानों में युवाओं के नामांकन का प्रतिशत अधिक है (चार्ट 1)। 16-17 आयुवर्ग के युवाओं में लड़कों की तुलना में लड़कियों के नामांकन का अनुपात अधिक है (चार्ट 2)।

जिन युवाओं ने पढ़ाई छोड़ दी है, उनमें से लड़के और लड़कियों ने पढ़ाई छोड़ने के अलग-अलग कारण बताए। लगभग एक-चौथाई लड़कों ने पढ़ाई छोड़ने का कारण 'आगे पढ़ने में रुचि नहीं' बताया, जबकि लगभग 20% लड़कियों ने 'पारिवारिक बाधाएँ' मुख्य कारण बताया। अन्य आम कारण 'आर्थिक बाधाएँ' और 'फेल हो गए' थे (टेबल 2)।

कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित युवाओं से उनके द्वारा चयनित स्ट्रीम के बारे में भी पूछा गया। आधे से अधिक युवा कला/मानविकी (55.7%) में, इसके बाद STEM में (31.7%) और फिर वाणिज्य (9.4%) में नामांकित हैं (टेबल 4)। लड़कियों (28.1%) की तुलना में अधिक लड़के STEM स्ट्रीम (36.3%) में नामांकित हैं (चार्ट 3)। साथ ही, सरकारी संस्थानों में अधिक विद्यार्थी कला/मानविकी में नामांकित हैं (66%) और वहीं निजी संस्थानों में अधिक विद्यार्थी STEM में (48.2%) नामांकित हैं (टेबल 5)।

*इसमें विज्ञान, इंजीनियरिंग और सूचना प्रोद्योगिकी (IT) शामिल हैं।
**इसमें चिकित्सा, कृषि, व्यावसायिक, प्रोफेशनल कोर्स (Law, CA आदि) और अन्य स्ट्रीम शामिल हैं।

सभी ज़िले गतिविधि

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य कोर्स

टेबल 6: नामांकन स्थिति और प्रशिक्षण की अवधि के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य कोर्स में नामांकित युवाओं का %

नामांकन स्थिति	व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य कोर्स में युवाओं का %	इन युवाओं में से, निम्नलिखित अवधि के व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य कोर्स लेने वाले युवाओं का %				
		3 महीने से कम	4-6 महीने	7-12 महीने	12 महीने से अधिक	कुल
कक्षा X या उससे नीचे	2.4	48.3	22.8	21.3	7.6	100
कक्षा XI या कक्षा XII	7.9	42.3	22.0	22.1	13.6	100
अंडरग्रेजुएट या अन्य	16.2	37.5	18.9	27.8	15.8	100
अनामांकित	8.2	20.1	14.5	23.7	41.7	100
सभी युवा	5.6	37.8	19.9	23.5	18.8	100

युवाओं से पूछा गया था कि क्या वे वर्तमान में आईटीआई, पॉलिटेक्निक आदि में व्यावसायिक प्रशिक्षण, या कोई अन्य कक्षाओं में कंप्यूटर, सिलाई आदि में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

काम की जानकारी

टेबल 7: नामांकन और लिंग के अनुसार रोज़ घर का काम करने वाले युवाओं का %

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	64.4	82.6	74.0
कक्षा XI या कक्षा XII	68.2	86.5	78.2
अंडरग्रेजुएट या अन्य	69.1	90.6	81.9
अनामांकित	65.7	94.0	81.0
सभी युवा	65.9	85.8	76.6

युवाओं से पूछा गया था कि क्या वे हर रोज़ घर का कोई काम जैसे खाना बनाना, साफ-सफाई, घर के लिए खरीदारी आदि करते हैं।

टेबल 8: नामांकन और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने पिछले महीने में 15 या उससे अधिक दिन कोई अन्य काम किया (घर के काम के अलावा)

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी युवा
कक्षा X या उससे नीचे	33.8	24.4	28.9
कक्षा XI या कक्षा XII	39.2	26.1	32.0
अंडरग्रेजुएट या अन्य	47.8	29.2	36.8
अनामांकित	65.8	45.4	54.7
सभी युवा	40.3	28.0	33.7

युवाओं से पूछा गया था कि क्या उन्होंने घर के काम के अतिरिक्त कोई अन्य काम (पार्ट-टाइम या फुल-टाइम) जैसे परिवार की दुकान में मदद, खेत में काम आदि किया है।

टेबल 9: नामांकन स्थिति, लिंग और काम के प्रकार के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने पिछले महीने में 15 या उससे अधिक दिन कोई अन्य काम किया (घर के काम के अलावा)

नामांकन स्थिति		कृषि कार्य		गैर-कृषि कार्य		कुल
		परिवार या स्वंय का	किसी अन्य का	परिवार या स्वंय का	किसी अन्य का	
कक्षा X या उससे नीचे	लड़के	81.3	5.4	10.4	2.9	100
	लड़कियाँ	81.4	5.4	10.6	2.7	100
कक्षा XI या कक्षा XII	लड़के	81.4	4.6	9.6	4.4	100
	लड़कियाँ	78.8	6.2	12.2	2.8	100
अंडरग्रेजुएट या अन्य	लड़के	83.7	3.5	7.6	5.2	100
	लड़कियाँ	77.7	7.4	12.0	3.0	100
अनामांकित	लड़के	58.6	11.6	12.9	16.9	100
	लड़कियाँ	67.4	16.1	8.3	8.2	100
सभी युवा	लड़के	76.6	6.4	10.5	6.5	100
	लड़कियाँ	77.3	8.1	10.6	4.0	100

सर्वेक्षित युवाओं में से 5.6% युवा व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य संबंधित कोर्स कर रहे हैं। कॉलेज में नामांकित युवाओं में यह अनुपात सबसे अधिक (16.2%) है। अधिकांश युवा कम अवधि के कोर्स कर रहे हैं, लेकिन अधिक अनामांकित युवा लंबी अवधि के व्यावसायिक प्रशिक्षण ले रहे हैं (टेबल 6)।

युवाओं से पूछा गया था कि क्या वे हर रोज़ घर का कोई काम जैसे खाना बनाना, साफ-सफाई, घर के लिए खरीदारी आदि करते हैं। हर रोज घर का कोई काम करने में लड़कियों का अनुपात लड़कों के मुकाबले अधिक है, और यह सभी नामांकन स्थितियों के लिए समान है। कुल-मिलाकर लड़के और लड़कियों में यह अंतर 20 प्रतिशत अंक का है (टेबल 7)।

युवाओं से यह भी पूछा गया था कि क्या उन्होंने पिछले महीने में 15 या उससे अधिक दिन कोई अन्य काम किया है। लड़कियों की तुलना में, लड़कों में अन्य काम करने का अनुपात अधिक है। अनामांकित युवाओं में अन्य काम करने की संभावना सबसे अधिक है (टेबल 8)। इसके अलावा, वे युवा जो अन्य काम करते हैं, उनमें से अधिकांश परिवार के कृषि कार्य करते हैं (टेबल 9)।

हमने सर्वेक्षित युवाओं से क्या कार्य करने को कहे?

पूछे गए प्रश्नों की पूरी सूची के लिए, 'Assessment tasks' पृष्ठ संख्या 214 पर देखें।

असर 2023 'बियॉन्ड बेसिक्स' में हर घर में प्रत्येक सर्वेक्षित युवा को पाँच श्रेणियों में कार्य दिए गए थे। एक समय पर एक ही युवा के साथ कार्य प्रशासित किए गए।

बुनियादी असर की जाँच

- पढ़ना
- गणित
- अंग्रेजी पढ़ना और समझना

दैनिक गणनाएँ

- समय की गणना
- वज़न जोड़ना
- लंबाई मापना (सरल और कठिन)
- ऐकिक नियम लागू करना

लिखित निर्देशों को पढ़ना और समझना

दवा के पैकेट पर लिखे निर्देशों को पढ़ना और समझना (केवल उन युवाओं से पूछा गया जो असर पढ़ने की जाँच में कम से कम कक्षा । स्तर का पाठ पढ़ सके)

वित्तीय गणनाएँ

- बजट का प्रबंधन
- छूट की गणना करना
- ऋण भुगतान की गणना

(केवल उन युवाओं से पूछे गए जो असर गणित की जाँच में कम से कम घटाव स्तर पर थे)

डिजिटल कार्य*

- अलार्म लगाना
- ऑनलाइन जानकारी ढूंढना
- यूट्यूब पर वीडियो ढूँढना और साझा करना
- गूगल मैप्स का प्रयोग

*डिजिटल कार्यों का डाटा 'डिजिटल पहुँच और प्रयोग' भाग में पेज 56 पर दिया गया है।

सभी ज़िले क्षमता

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

बुनियादी पढ़ना और गणित

टेबल 10: नामांकन स्थिति और लिंग के अनुसार युवाओं का %

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	54.0	51.3	52.5
कक्षा XI या कक्षा XII	27.1	28.1	27.6
अंडरग्रेजुएट या अन्य	5.8	7.4	6.7
अनामांकित	13.1	13.3	13.2
सभी युवा	100	100	100

टेबल 11: नामांकन स्थिति और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो असर पढ़ने की जाँच में कम से कम कक्षा II स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	69.1	73.1	71.2
कक्षा XI या कक्षा XII	85.2	89.9	87.7
अंडरग्रेजुएट या अन्य	90.1	93.9	92.4
अनामांकित	39.3	46.6	43.2
सभी युवा	70.9	76.0	73.6

कक्षा II स्तर का पाठ

अमन के पिताजी दुकान चलाते थे। दिन भर सब ठीक रहता था। रात को चूहे बहुत परेशान करते थे। अमन ने चूहों को भगाने का एक तरीका सोचा। वह एक बड़ी बिल्ली ले आया। बिल्ली के डर से चूहे अब दुकान में नहीं आते हैं। पिताजी अमन से बहुत खुश हुए। वह अब आराम से दुकान चलाते हैं।

कक्षा I स्तर का पाठ

राजू के पास एक गाय है।
वह हरी घास खाती है।
वह बहुत दूध देती है।
दूध से दही बनता है।

अक्षर

म र ध
ह ट
ड ब न
क ज

शब्द

नाक चूहा
खेत
मोर पीला
खुश भैया
रोटी
तोता गिन

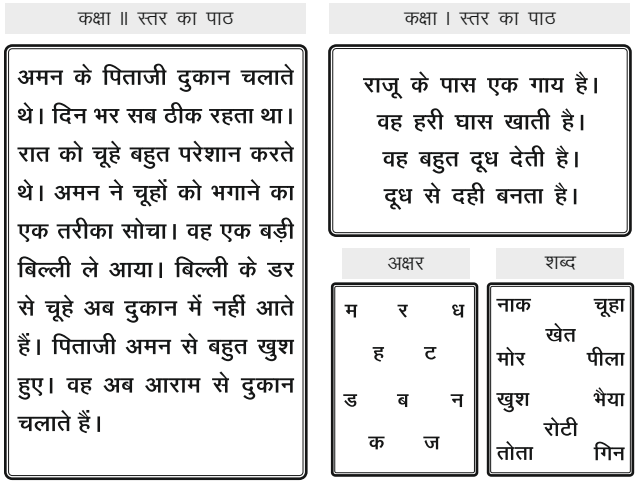

टेबल 12: नामांकन स्थिति और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो असर गणित की जाँच में कम से कम भाग कर सकते हैं

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	45.5	42.3	43.8
कक्षा XI या कक्षा XII	55.1	49.3	51.9
अंडरग्रेजुएट या अन्य	57.8	57.8	57.8
अनामांकित	15.3	14.2	14.7
सभी युवा	45.0	41.8	43.3

अंक पहचान 1-9	संख्या पहचान 11-99	घटाव	भाग
1 4	96 15	82 - 64 / 51 - 28	8) 994 (
7 3	24 61	37 - 18 / 66 - 28	6) 758 (
6 9	74 46 / 39 89	73 - 57 / 42 - 17	7) 863 (
5 2	52 27	98 - 79 / 75 - 58	4) 551 (

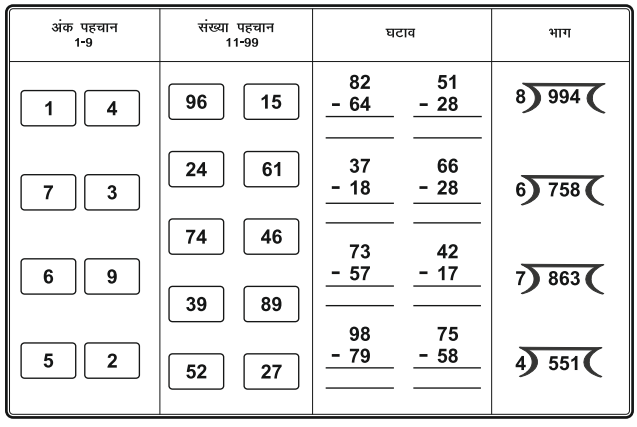

सभी ज़िले क्षमता

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
AGE 14-18 असर ASER 2023 RURAL
Facilitated by PRATHAM

बुनियादी अंग्रेज़ी

टेबल 13: नामांकन स्थिति और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो असर अंग्रेज़ी पढ़ने की जाँच में कम से कम वाक्य पढ़ सकते हैं

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	55.5	52.7	54.0
कक्षा XI या कक्षा XII	75.8	71.4	73.4
अंडरग्रेजुएट या अन्य	80.7	79.3	79.9
अनामांकित	24.3	24.5	24.4
सभी युवा	58.5	56.3	57.3

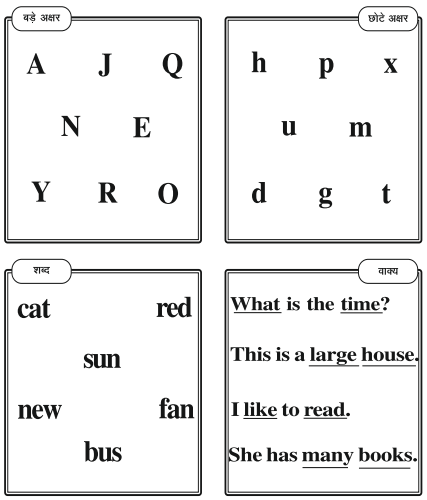

टेबल 14: उनमें से जो असर अंग्रेज़ी पढ़ने की जाँच में वाक्य पढ़ सकते हैं, नामांकन स्थिति और लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो वाक्यों का अर्थ बता सकते हैं

नामांकन स्थिति	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा X या उससे नीचे	73.2	70.9	72.0
कक्षा XI या कक्षा XII	76.2	75.7	76.0
अंडरग्रेजुएट या अन्य	80.0	78.8	79.3
अनामांकित	63.5	58.8	60.9
सभी युवा	74.3	72.8	73.5

टेबल 15: उनमें से जो कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित हैं, स्ट्रीम के अनुसार उन युवाओं का % जो बुनियादी असर कार्य कर सकते हैं

स्ट्रीम	युवाओं का % जो :		
	कम से कम कक्षा II स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं	कम से कम भाग कर सकते हैं	अंग्रेजी में कम से कम वाक्य पढ़ सकते हैं
कला/मानविकी	87.0	42.4	65.6
STEM	92.7	69.6	88.0
वाणिज्य	86.4	61.0	84.0
सभी	88.7	52.9	74.8

14-18 आयुवर्ग के सभी युवाओं में से, तीन-चौथाई युवा अपनी क्षेत्रीय भाषा में कम से कम कक्षा II स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं, आधे से कम भाग कर सकते हैं (कक्षा III/IV में अपेक्षित) और आधे से कुछ अधिक अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं (टेबल 11, 12, 13)। जो युवा अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं, उनमें से लगभग तीन-चौथाई उनके अर्थ बता सकते हैं (टेबल 14)। वर्तमान में कॉलेज में नामांकित विद्यार्थियों के बुनियादी स्तर सबसे बेहतर है, वहीं अनामांकित युवाओं के बुनियादी स्तर बाकी सबसे कम है।

सभी नामांकन श्रेणियों में, लड़कियाँ अपनी क्षेत्रीय भाषा में पढ़ने में लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करती हैं (टेबल 11)। इसके विपरीत, लड़के गणित और अंग्रेजी पढ़ने में लड़कियों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं (टेबल 12 और 13)।

जो विद्यार्थी STEM में हैं, वे वाणिज्य में नामांकित विद्यार्थियों की तुलना में थोड़ा बेहतर प्रदर्शन करते हैं, और कला/मानविकी के विद्यार्थीयों का प्रदर्शन वाणिज्य में नामांकित विद्यार्थियों से भी कम है (टेबल 15)।

सभी ज़िले क्षमता

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले। ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

दैनिक गणनाएँ

टेबल 16: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो दैनिक गणनाएँ कर सकते हैं

लिंग	समय की गणना	वज़न जोड़ना	लंबाई मापना (सरल)	लंबाई मापना (कठिन)	ऐकिक नियम लागू करना
लड़के	50.5	65.8	87.5	45.7	55.9
लड़कियाँ	41.1	45.4	82.1	33.3	42.0
सभी युवा	45.4	54.8	84.6	39.0	48.4

टेबल 17: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जो दैनिक गणनाएँ कर सकते हैं

नामांकन स्थिति	समय की गणना	वज़न जोड़ना	लंबाई मापना (सरल)	लंबाई मापना (कठिन)	ऐकिक नियम लागू करना
कक्षा X या उससे नीचे	43.2	52.4	84.5	36.9	47.7
कक्षा XI या कक्षा XII	52.9	65.7	89.5	47.2	55.5
अंडरग्रेजुएट या अन्य	59.8	70.2	90.5	52.7	60.2
अनामांकित	30.9	33.2	71.3	23.0	29.9

चार्ट 4: असर गणित के स्तर के अनुसार उन युवाओं का % जो दैनिक गणनाएँ कर सकते हैं

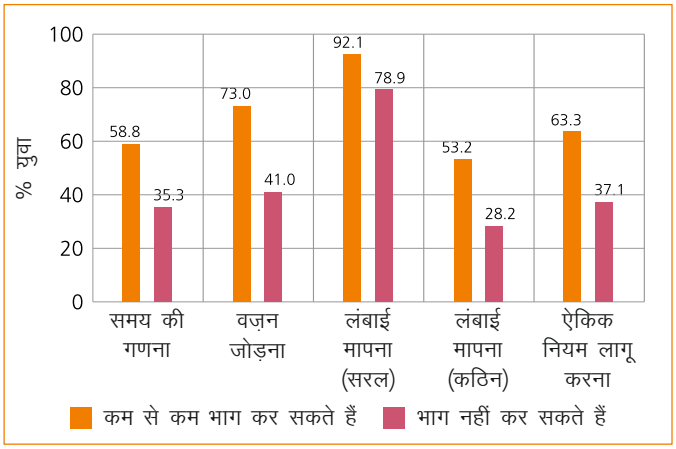

समय की गणना

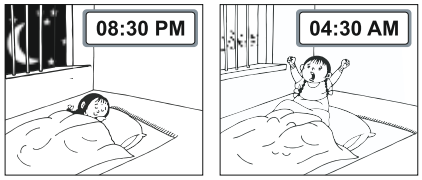

अगर यह लड़की रात को इस समय सोती है और सुबह इस समय उठती है, तो बताएँ कि वह कुल कितने घंटे सोती है?

वज़न जोड़ना

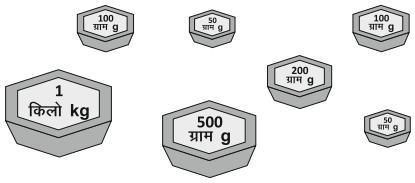

यहाँ कुल कितने किलो वज़न दिखाया गया है? जोड़कर बताएँ।

लंबाई मापना (सरल)

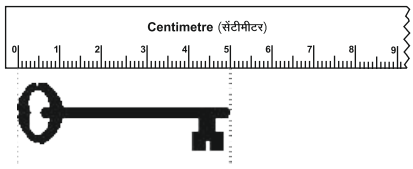

दिए गए स्केल की सहायता से नापकर बताएँ कि इस चाबी की लम्बाई कितने सेंटीमीटर है?

लंबाई मापना (कठिन)

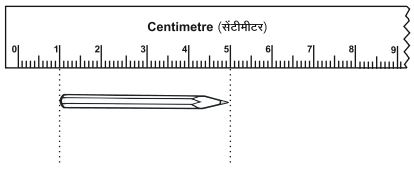

दिए गए स्केल की सहायता से नापकर बताएँ कि इस पेंसिल की लम्बाई कितने सेंटीमीटर है?

ऐकिक नियम लागू करना

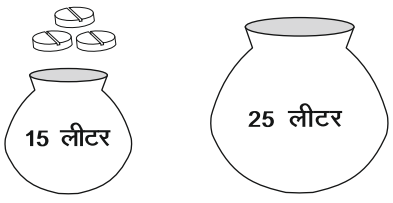

अगर 15 लीटर पानी को शुद्ध करने के लिए 3 क्लोरीन की गोलियाँ डालनी पड़ती हैं, तो बताएँ कि 25 लीटर पानी को शुद्ध करने के लिए क्लोरीन की कितनी गोलियाँ डालनी पड़ेंगी?

टेबल 18: उनमें से जो कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित हैं, स्ट्रीम के अनुसार उन युवाओं का % जो दैनिक गणनाएँ कर सकते हैं

स्ट्रीम	समय की गणना	वज़न जोड़ना	लंबाई मापना (सरल)	लंबाई मापना (कठिन)	ऐकिक नियम लागू करना
कला/ मानविकी	48.7	61.8	87.4	39.4	50.3
STEM	62.0	73.2	93.0	59.7	64.1
वाणिज्य	56.9	71.3	93.3	57.1	64.2
सभी	54.0	66.3	89.8	48.0	56.2

80% से अधिक सर्वेक्षित युवा स्केल का प्रयोग करके गणना 0 cm से शुरू होने पर लंबाई माप सकते हैं, लेकिन शुरुवाती बिंदु बदलने पर यह अनुपात तेज़ी से गिरकर 39% हो जाता है। 40% से अधिक युवा अन्य दैनिक गणनाएँ जैसे समय की गणना, वज़न जोड़ना और ऐकिक नियम लागू करना कर सकते हैं। सभी कार्यों में लड़कों का प्रदर्शन लड़कियों की तुलना में बेहतर है (टेबल 16)।

जैसा कि असर की जाँच में भी दिखाई देता है, बड़ी कक्षाओं या कॉलेज में नामांकित युवाओं में दैनिक गणनाएँ करने की क्षमता बेहतर है। अनामांकित युवा सभी कार्यों में काफ़ी पीछे हैं (टेबल 17)।

जिन युवाओं की गणित की बुनियादी क्षमताएँ अच्छी हैं, उनके दैनिक गणनाओं में बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना ज़्यादा है (चार्ट 4)। STEM और वाणिज्य में नामांकित विद्यार्थी कला/मानविकी में नामांकित विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं (टेबल 18)।

सभी ज़िले क्षमता

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

लिखित निर्देशों को पढ़ना और समझना

यह कार्य **केवल उन युवाओं को दिया गया था जो कक्षा I स्तर का पाठ पढ़ सके** (असर पढ़ने की जाँच)

टेबल 19: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो असर पढ़ने की जाँच में विभिन्न स्तरों पर हैं

पढ़ने का स्तर	लड़के	लड़कियाँ	सभी
कक्षा II स्तर का पाठ	70.9	76.0	73.6
कक्षा I स्तर का पाठ	11.6	9.0	10.2
शब्द या उससे कम	17.5	15.0	16.2
कुल	100	100	100

टेबल 20: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो लिखित निर्देशों को पढ़ और समझ सकते हैं

लिंग	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर दे सके	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर नहीं दे सके	कुल
लड़के	69.2	30.8	100
लड़कियाँ	61.7	38.3	100
सभी युवा	65.1	34.9	100

टेबल 21: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जो लिखित निर्देशों को पढ़ और समझ सकते हैं

नामांकन स्थिति	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर दे सके	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर नहीं दे सके	कुल
कक्षा X या उससे नीचे	62.1	37.9	100
कक्षा XI या कक्षा XII	72.0	28.0	100
अंडरग्रेजुएट या अन्य	78.2	21.8	100
अनामांकित	45.7	54.3	100

टेबल 22: उनमें से जो कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित हैं, स्ट्रीम के अनुसार उन युवाओं का % जो लिखित निर्देशों को पढ़ और समझ सकते हैं

स्ट्रीम	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर दे सके	4 प्रश्नों में से कम से कम 3 का उत्तर नहीं दे सके	कुल
कला/मानविकी	66.1	33.9	100
STEM	81.5	18.6	100
वाणिज्य	82.7	17.3	100
सभी	73.0	27.0	100

लिखित निर्देशों को पढ़ना और समझना

सभी युवाओं को नीचे दिखाए गए ओ.आर.एस. पैकेट पर दिए गए निर्देशों को पढ़ने के लिए कहा गया।

पढने के बाद युवाओं से निम्नलिखित 4 प्रश्न पूछे गए :

- 4 लीटर पानी में ओ.आर.एस. के कितने पैकेट घोलने चाहिए?
- ओ.आर.एस. का घोल बनाने के बाद, यह घोल कितने घंटे तक पिया जा सकता है?
- 45 साल के पुरुष को 24 घंटे के अन्दर कितने लीटर ओ.आर.एस. का घोल पिलाया जा सकता है?
- क्या इस ओ.आर.एस. के पैकेट को मार्च 2024 में इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं – पैकेट के आधार पर बताएँ?

चार्ट 5: असर पढ़ने के स्तर के अनुसार उन युवाओं का % जो लिखित निर्देशों को पढ़ और समझ सकते हैं

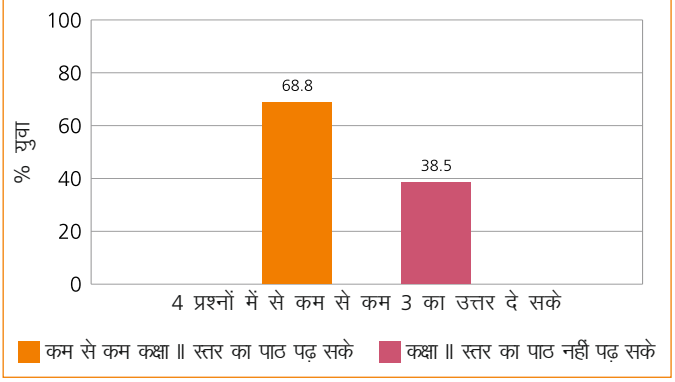

जो युवा असर पढ़ने की जाँच में कम से कम कक्षा I स्तर का पाठ पढ़ पाए, उन्हें ओ.आर.एस. पैकेट का फोटो दिखाया गया और उस पर दी गई जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

उन युवाओं में से जो कम से कम कक्षा I स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं, लगभग दो-तिहाई युवा पैकेट के आधार पर 4 में से 3 प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। लड़कियों की तुलना में लड़के बेहतर प्रदर्शन करते हैं (टेबल 20)। जो कक्षा XI-XII और अंडरग्रेजुएट स्तर में नामांकित हैं, वे कक्षा X या उससे नीचे नामांकित युवाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अनामांकित युवाओं में आधे से भी कम 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं (टेबल 21)।

सभी ज़िले क्षमता

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
AGE 14-18 असर ASER 2023 RURAL
Facilitated by PRATHAM

वित्तीय गणनाएँ

यह कार्य **केवल उन युवाओं को दिए गए थे जो कम से कम घटाव कर सके** (असर गणित की जाँच)

टेबल 23: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो असर गणित की जाँच में विभिन्न गणित के स्तरों पर हैं

गणित का स्तर	लड़के	लड़कियाँ	सभी
भाग	45.0	41.8	43.3
घटाव	20.2	21.6	21.0
संख्या पहचान (11-99) या उससे नीचे	34.8	36.6	35.8
कुल	100	100	100

टेबल 24: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो वित्तीय गणनाएँ कर सकते हैं

लिंग	बजट का प्रबंधन	छूट की गणना	ऋण भुगतान की गणना
लड़के	69.2	46.9	14.5
लड़कियाँ	53.6	27.9	7.2
सभी युवा	60.9	36.8	10.6

टेबल 25: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जो वित्तीय गणनाएँ कर सकते हैं

नामांकन स्थिति	बजट का प्रबंधन	छूट की गणना	ऋण भुगतान की गणना
कक्षा X या उससे नीचे	57.8	31.8	8.8
कक्षा XI या कक्षा XII	65.7	44.0	13.0
अंडरग्रेजुएट या अन्य	69.5	47.8	16.4
अनामांकित	51.0	28.5	6.7

चार्ट 6: असर गणित के स्तर के अनुसार उन युवाओं का % जो वित्तीय गणनाएँ कर सकते हैं

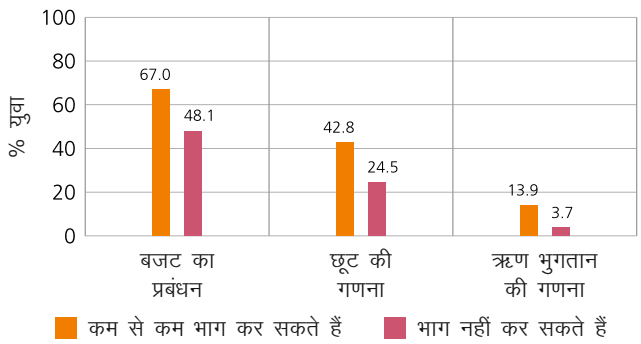

टेबल 26: उनमें से जो कक्षा XI या उससे ऊपर नामांकित हैं, स्ट्रीम के अनुसार उन युवाओं का % जो वित्तीय गणनाएँ कर सकते हैं

स्ट्रीम	बजट का प्रबंधन	छूट की गणना	ऋण भुगतान की गणना
कला/मानविकी	61.6	38.8	8.2
STEM	72.2	49.8	18.1
वाणिज्य	70.1	53.5	22.4
सभी	66.4	44.5	13.4

बजट का प्रबंधन

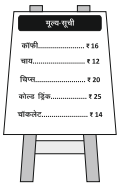

आप एक दुकान पर जाते हैं जहाँ यह मूल्य सूची लगी है। अगर आपके पास 50 रुपये हैं जिसको आपको पूरा खर्च करना है और तीन अलग–अलग चीज़ें खरीदनी हैं, तो वह तीन चीज़ें कौनसी होंगी?

छूट की गणना

यह इस जूते का दाम है और इस दाम पर 10 प्रतिशत/percent की छूट है। अगर आपको यह जूते ख़रीदने हो, तो आपको कितने रुपये देने होंगे?

ऋण भुगतान की गणना

रवि की माताजी को एक गाय ख़रीदनी है। इसके लिए उन्हें बैंक से लोन (या कर्ज़ा) लेना है। नीचे दी गई लिस्ट में 3 बैंकों के लोन पर ब्याज दर दिए गए हैं।

- रवि की माताजी को इनमें से कौनसे बैंक से लोन लेने पर सबसे ज़्यादा फ़ायदा होगा?
- रवि की माताजी ने 20,000 रुपये का लोन लिया था। उन्हें एक साल बाद ब्याज के साथ कितने रुपये लौटाने होंगे?

जो युवा असर गणित की जाँच में कम से कम घटाव कर सके, उन्हें कुछ वित्तीय गणनाएँ करने के लिए कहा गया।

लगभग 60% युवा बजट का प्रबंधन और लगभग 37% छूट की गणना कर सकते हैं, लेकिन केवल 10% ही ऋण भुगतान की गणना कर सकते हैं। सभी कार्यों में लड़कियों की तुलना में लड़के बेहतर प्रदर्शन करते हैं (टेबल 24)।

अन्य युवाओं की तुलना में कॉलेज और उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन करते हैं (टेबल 25)। जिनके पास बुनियादी गणित की क्षमता है, वे इन सभी कार्यों को करने में अधिक सक्षम है (चार्ट 6)।

अन्य कार्यों के विपरीत, वाणिज्य के विद्यार्थी तीन में से दो वित्तीय गणनाओं में STEM के विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जबकि कला/मानविकी के विद्यार्थी सभी कार्यों में STEM के विद्यार्थियों से लगभग 10 प्रतिशत अंक पीछे हैं (टेबल 26)।

हमने सर्वेक्षित युवाओं से डिजिटल पहुँच और उपयोग के बारे में क्या पूछा?

पूछे गए प्रश्नों की पूरी सूची के लिए, युवा की जानकारी प्रपत्र संख्या 210 पर देखें।
डिज़िटल कार्यों के विस्तृत विवरण के लिए, 'Assessment tasks' पृष्ठ संख्या 214 पर देखें।

असर 2023 'बियॉन्ड बेसिक्स' के डिजिटल भाग को दो उपभागों में बाँटा गया था – सेल्फ़-रिपोर्टेड प्रश्नावली और युवाओं की जाँच।

सेल्फ़-रिपोर्टेड प्रश्नावली

उपलब्धता और पहुँच
- कंप्यूटर की उपलब्धता और प्रयोग
- स्मार्टफोन की उपलब्धता और प्रयोग

पढ़ाई और सीखने संबंधित की गतिविधियाँ
- पढ़ाई के लिए वीडियो देखना
- शंकाओं का समाधान
- नोट्स साझा करना
- दीक्षा ऐप का प्रयोग
- कोई रुचि/कौशल सीखना
- भविष्य की पढ़ाई संबंधित जानकारी ढूँढना

संचार और ऑनलाइन सुरक्षा
- ई-मेल का प्रयोग
- सोशल मीडिया का प्रयोग
- सुरक्षा/ प्राइवेसी की जानकारी

मनोरंजन
- मनोरंजन कंटेंट जैसे फिल्में/गाने देखना/सुनना
- गेम खेलना

सेवाएँ
- ऑनलाइन खरीददारी
- फॉर्म भरना
- फोन रिचार्ज
- भुगतान करना
- टिकट बुकिंग
- लोकेशन/मैप्स का प्रयोग

डिज़िटल कार्य
- अलार्म लगाना
- ऑनलाइन जानकारी ढूंढना
- यूट्यूब पर वीडियो ढूँढना और साझा करना
- गूगल मैप्स का प्रयोग

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता

टेबल 27: लिंग के अनुसार स्मार्टफोन की उपलब्धता और प्रयोग

लिंग	उन युवाओं का % :			उनमें से जो स्मार्टफोन का प्रयोग कर सकते हैं, उन युवाओं का % जिनके पास स्वयं का स्मार्टफोन है
	जिनके घर में स्मार्टफोन है	जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला सके*	जो स्मार्टफोन का प्रयोग कर सकते हैं	
लड़के	90.9	72.9	94.7	43.7
लड़कियाँ	87.3	62.0	89.8	19.8
सभी युवा	89.0	67.1	92.1	31.1

टेबल 28: लिंग के अनुसार कंप्यूटर की उपलब्धता और प्रयोग

लिंग	युवाओं का % जिनके घर में कंप्यूटर है	इनमें से, उन युवाओं का % जो कंप्यूटर का प्रयोग कर सकते हैं	युवाओं का % जिनके घर में कंप्यूटर नहीं है	इनमें से, उन युवाओं का % जो कंप्यूटर का प्रयोग कर सकते हैं
लड़के	9.9	89.6	90.1	39.8
लड़कियाँ	8.3	80.3	91.7	28.9
सभी युवा	9.0	85.0	91.0	33.9

टेबल 29: नामांकन स्थिति के अनुसार स्मार्टफोन की उपलब्धता और प्रयोग

नामांकन स्थिति	उन युवाओं का % :			उनमें से जो स्मार्टफोन का प्रयोग कर सकते हैं, उन युवाओं का % जिनके पास स्वयं का स्मार्टफोन है
	जिनके घर में स्मार्टफोन है	जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला सके*	जो स्मार्टफोन का प्रयोग कर सकते हैं	
कक्षा X या उससे नीचे	86.9	62.5	91.0	15.7
कक्षा XI या कक्षा XII	93.9	76.7	96.2	42.7
अंडरग्रेजुएट या अन्य	96.4	83.2	97.4	65.6
अनामांकित	82.8	56.7	84.8	49.2

टेबल 30: नामांकन स्थिति के अनुसार कंप्यूटर की उपलब्धता और प्रयोग

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिनके घर में कंप्यूटर है	इनमें से, उन युवाओं का % जो कंप्यूटर का प्रयोग कर सकते हैं	युवाओं का % जिनके घर में कंप्यूटर नहीं है	इनमें से, उन युवाओं का % जो कंप्यूटर का प्रयोग कर सकते हैं
कक्षा X या उससे नीचे	8.1	80.1	91.9	29.4
कक्षा XI या कक्षा XII	11.8	90.6	88.2	45.3
अंडरग्रेजुएट या अन्य	15.0	93.3	85.0	59.1
अनामांकित	4.1	74.4	96.0	17.7

लगभग 90% युवाओं के घर में स्मार्टफोन है, और उतने ही युवाओं का अनुपात इसका प्रयोग करना जानते हैं। लड़कियों की तुलना में दोगुने से अधिक लड़कों के पास स्वयं का स्मार्टफोन हैं (टेबल 27)।

स्मार्टफोन की तुलना में घरों में कंप्यूटर/लैपटॉप की उपलब्धता बहुत कम है; केवल 9% युवाओं के ही घर में कंप्यूटर है। जिन युवाओं के घर में कंप्यूटर/लैपटॉप है, उनमें से 85% युवा इसका प्रयोग करना जानते है, और जिनके घर में कंप्यूटर/लैपटॉप नहीं है, उनमें से 33.9% ही इसका प्रयोग करना जानते हैं (टेबल 28)।

लड़कों की तुलना में कम लड़कियाँ बताती हैं कि वे स्मार्टफोन या कंप्यूटर चलाना जानती हैं (टेबल 27 और 28)।

*सर्वेक्षण के दौरान युवाओं को डिजिटल कार्य करने के लिए अच्छी कनेक्टिविटी वाल स्मार्टफोन लाने के लिए कहा गया था।

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
AGE 14-18 असर ASER 2023 RURAL
Facilitated by PRATHAM

संचार और ऑनलाइन सुरक्षा

चार्ट 7: लिंग के अनुसार, ई-मेल का प्रयोग

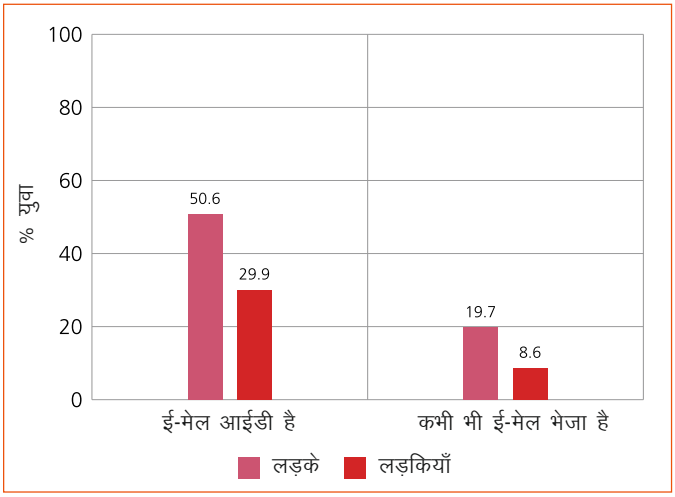

टेबल 31: नामांकन स्थिति के अनुसार, उन युवाओं का % जिनका ई-मेल आईडी है और जिन्होंने ई-मेल भेजा है

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिनका ई-मेल आईडी है	युवाओं का % जिन्होंने कभी भी ई-मेल भेजा है
कक्षा X या उससे नीचे	28.0	8.4
कक्षा XI या कक्षा XII	55.4	20.3
अंडरग्रेजुएट या अन्य	77.2	34.6
अनामांकित	32.4	10.3

टेबल 32: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में सोशल मीडिया का प्रयोग किया और इसके सुरक्षा संबंधित सेटिंग्स का प्रयोग करना जानते हैं

लिंग	युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में सोशल मीडिया का प्रयोग किया	इनमें से, उन युवाओं का % जो :		
		प्रोफ़ाइल ब्लॉक/रिपोर्ट करना जानते हैं	प्रोफ़ाइल प्राईवेट करना जानते हैं	पासवर्ड बदलना जानते हैं
लड़के	93.4	56.7	55.6	64.8
लड़कियाँ	87.8	48.0	40.4	40.0
सभी युवा	90.5	52.3	47.8	52.2

टेबल 33: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में सोशल मीडिया का प्रयोग किया और इसके सुरक्षा संबंधित सेटिंग्स का प्रयोग करना जानते हैं

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में सोशल मीडिया का प्रयोग किया	इनमें से, उन युवाओं का % जो :		
		प्रोफ़ाइल ब्लॉक/रिपोर्ट करना जानते हैं	प्रोफ़ाइल प्राईवेट करना जानते हैं	पासवर्ड बदलना जानते हैं
कक्षा X या उससे नीचे	88.4	43.7	37.8	43.3
कक्षा XI या कक्षा XII	93.9	63.2	61.1	62.7
अंडरग्रेजुएट या अन्य	95.7	71.1	71.7	71.2
अनामांकित	87.9	49.5	42.0	51.3

सर्वेक्षित लड़कों में से आधों के पास ई-मेल आईडी है, जबकि लड़कियों में यह संख्या 30% है (चार्ट 7)। नामांकित युवाओं में, कक्षा स्तर बढ़ने के साथ ई-मेल आई.डी. होने और ई-मेल भेजने की संभावना बढ़ जाती है (टेबल 31)।

लगभग सभी युवाओं (90%) ने बताया कि उन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में सोशल मीडिया का प्रयोग किया। लड़कियों की तुलना में लड़कों में इसका अनुपात थोड़ा अधिक है। सोशल मीडिया का प्रयोग करने वाले सभी युवाओं में से लगभग आधे ही उन सुरक्षा संबंधित सेटिंग्स के बारे में जानते हैं जो सर्वेक्षण में पूछे गए थे। लड़कियों की तुलना में ज़्यादा लड़के इन सेटिंग्स के बारे में जानते हैं (टेबल 32)।

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
असर ASER 2023
AGE 14-18 RURAL
Facilitated by PRATHAM

पढ़ाई और सीखने संबंधित गतिविधियों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग

उन युवाओं के लिए जिन्होंने बताया कि वे स्मार्टफोन का उपयोग कर सकते हैं

टेबल 34: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में स्मार्टफोन पर पढ़ाई संबंधित गतिविधियाँ की

लिंग	युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में कम से कम एक पढ़ाई संबंधित गतिविधि ऑनलाईन की	युवाओं का % जिन्होंने निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन की :		
		पढ़ाई संबंधित वीडियो देखी	वर्तमान पढ़ाई से संबंधित शंकाओं का समाधान किया	मैसेजिंग ऐप्स का प्रयोग करके नोट्स साझा किए
लड़के	67.9	49.9	46.7	47.6
लड़कियाँ	64.6	48.8	44.7	44.3
सभी युवा	66.1	49.3	45.6	45.9

चार्ट 8: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी पढ़ाई/सीखने संबंधित गतिविधियों के लिए स्मार्टफोन का प्रयोग किया

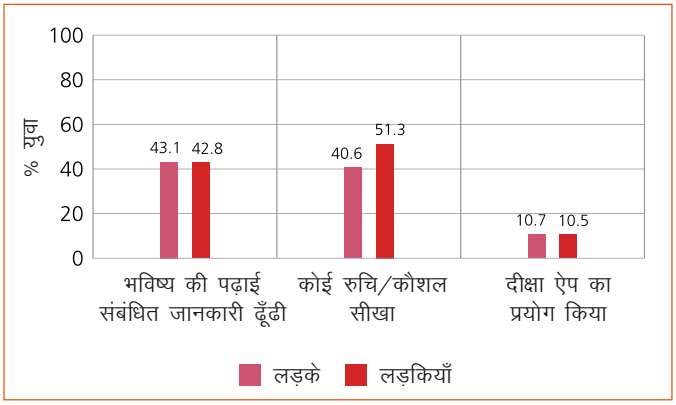

टेबल 35: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में स्मार्टफोन पर पढ़ाई संबंधित गतिविधियाँ की

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में कम से कम एक पढ़ाई संबंधित गतिविधि ऑनलाईन की	युवाओं का % जिन्होंने निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन की :		
		पढ़ाई संबंधित वीडियो देखी	वर्तमान पढ़ाई से संबंधित शंकाओं का समाधान किया	मैसेजिंग ऐप्स का प्रयोग करके नोट्स साझा किए
कक्षा X या उससे नीचे	66.8	49.7	45.0	44.2
कक्षा XI या कक्षा XII	78.1	58.7	56.7	58.0
अंडरग्रेजुएट या अन्य	80.3	61.0	58.3	60.1
अनामांकित	26.2	17.9	14.1	15.6

टेबल 36: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी पढ़ाई/सीखने संबंधित गतिविधियों के लिए स्मार्टफोन का प्रयोग किया

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिन्होंने निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन की :		
	भविष्य की पढ़ाई संबंधित जानकारी ढूँढी	कोई रुचि/कौशल सीखा	दीक्षा ऐप का प्रयोग किया
कक्षा X या उससे नीचे	36.7	41.9	9.9
कक्षा XI या कक्षा XII	56.5	53.8	13.7
अंडरग्रेजुएट या अन्य	70.7	65.5	14.3
अनामांकित	20.9	35.2	3.9

चार्ट 9: असर पढ़ने के स्तर के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में स्मार्टफोन पर पढ़ाई संबंधित गतिविधियाँ की

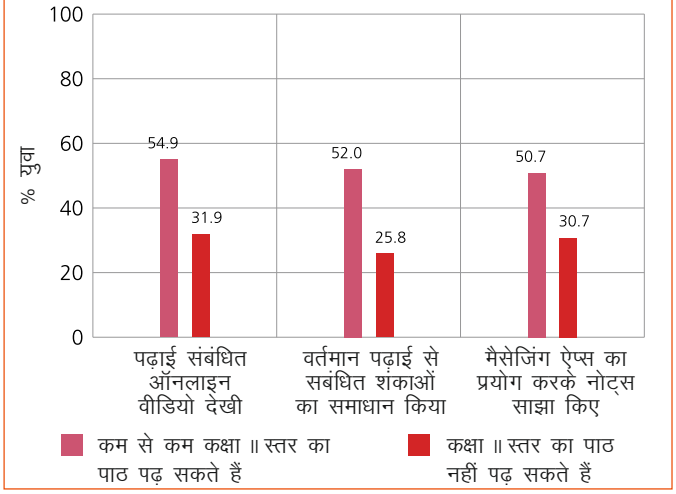

उन युवाओं में से जो स्मार्टफोन का प्रयोग कर सकते हैं, दो-तिहाई ने सर्वेक्षण से पिछले सात दिनों में स्मार्टफोन का प्रयोग पढ़ाई से संबंधित गतिविधि (पढ़ाई से संबंधित ऑनलाइन वीडियो देखना, शंकाओं का समाधान या नोट्स को साझा करना) के लिए किया है। यह अनुपात लड़कों और लड़कियों में लगभग समान है (टेबल 34)। उच्च माध्यमिक विद्यालय और अंडरग्रेजुएट स्तर में नामांकित युवाओं द्वारा इन गतिविधियों को अधिक किया गया। उल्लेखनीय है कि एक-चौथाई युवा जो वर्तमान में अनामांकित हैं, उन्होंने भी सर्वेक्षण से पिछले सात दिनों में अपने स्मार्टफोन पर पढ़ाई संबंधित गतिविधियाँ की हैं (टेबल 35)।

लगभग 40% लड़कों और लड़कियों ने भविष्य की पढ़ाई से संबंधित जानकारी ऑनलाइन ढूँढ़ी है और लगभग 10% ने दीक्षा ऐप का प्रयोग किया है। लड़कों की तुलना में अधिक लड़कियों ने स्मार्टफोन का प्रयोग करके कोई नई रुचि/कौशल सीखी हैं (चार्ट 8)।

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

सेवाओं के लिए स्मार्टफोन का उपयोग

उन युवाओं के लिए जिन्होंने बताया कि वे स्मार्टफोन का उपयोग कर सकते हैं

टेबल 37: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी ऑनलाइन सेवाएँ प्राप्त की हैं

लिंग	युवाओं का % जिन्होंने कभी भी कोई ऑनलाइन सेवा प्राप्त की हैं	युवाओं का % जिन्होंने निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन की :			
		भुगतान किया	फॉर्म भरा	बिल भरा	टिकिट बुक की
लड़के	37.6	26.3	20.0	11.3	6.9
लड़कियाँ	19.0	9.4	13.8	3.8	2.0
सभी युवा	27.6	17.2	16.8	7.4	4.3

चार्ट 10: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी निम्नलिखित गतिविधियाँ की हैं

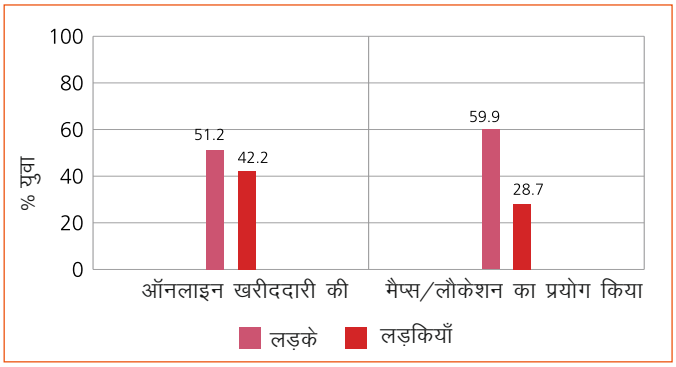

टेबल 38: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी ऑनलाइन सेवाएँ प्राप्त की हैं

नामांकन स्थिति	युवाओं का % जिन्होंने कभी भी कोई ऑनलाइन सेवा प्राप्त की हैं	युवाओं का % जिन्होंने निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन की :			
		भुगतान किया	फॉर्म भरा	बिल भरा	टिकिट बुक की
कक्षा X या उससे नीचे	19.9	12.1	10.6	4.5	2.2
कक्षा XI या कक्षा XII	38.7	24.3	23.9	10.3	6.1
अंडरग्रेजुएट या अन्य	55.1	33.4	42.3	17.3	12.0
अनामांकित	20.5	14.0	10.9	6.7	4.2

टेबल 39: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी निम्नलिखित गतिविधियाँ की हैं

नामांकन स्थिति	ऑनलाइन खरीददारी की	मैप्स/लौकेशन का प्रयोग किया
कक्षा X या उससे नीचे	40.0	36.4
कक्षा XI या कक्षा XII	56.9	54.0
अंडरग्रेजुएट या अन्य	65.0	65.5
अनामांकित	38.6	35.8

चार्ट 11: असर गणित की जाँच के स्तर के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने कभी भी ऑनलाइन सेवाएँ प्राप्त की हैं

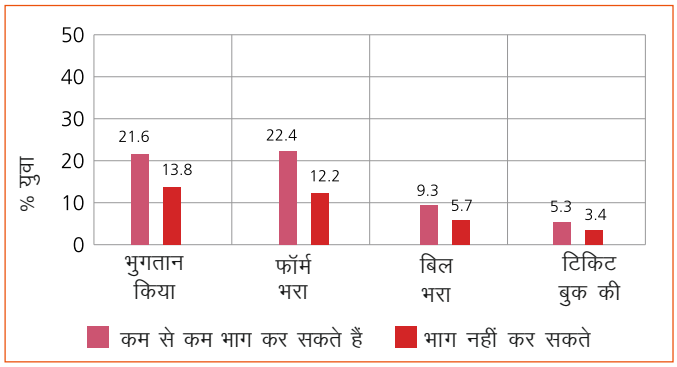

सर्वेक्षण में शामिल युवाओं से पूछा गया था कि क्या उन्होंने कभी भी स्मार्टफोन का उपयोग ऑनलाइन सेवाएँ जैसे भुगतान करने, फॉर्म/बिल भरने और टिकट बुक करने के लिए किया है। सभी युवाओं में से एक-चौथाई से थोड़े अधिक ने इनमें से कम से कम एक सेवा प्राप्त की है। लड़कियों की तुलना में अधिक लड़के इन सभी सेवाओं का लाभ उठाते हैं (टेबल 37)। ऑनलाइन शॉपिंग और खासकर लोकेशन/मैप्स के प्रयोग में भी लड़के और लड़कियों में काफी अंतर दिखाई देता है (चार्ट 9)।

अन्य युवाओं की तुलना में उच्च माध्यमिक विद्यालय और कॉलेज स्तर में नामांकित युवाओं के इन सेवाओं के उपयोग और अन्य गतिविधियों को करने की संभावना अधिक है (टेबल 38 और 39)।

मनोरंजन संबंधित गतिविधियों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग

टेबल 40: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में स्मार्टफोन पर मनोरंजन संबंधित गतिविधियाँ की

लिंग	मनोरंजन संबंधित गतिविधियाँ जैसे : फिल्में देखी/गाने सुने	खेल खेले
लड़के	82.3	68.7
लड़कियाँ	74.1	45.6
सभी युवा	78.0	56.6

टेबल 41: नामांकन स्थिति के अनुसार उन युवाओं का % जिन्होंने सर्वेक्षण से पिछले सप्ताह में स्मार्टफोन पर मनोरंजन संबंधित गतिविधियाँ की

नामांकन स्थिति	मनोरंजन संबंधित गतिविधियाँ जैसे : फिल्में देखी/गाने सुने	खेल खेले
कक्षा X या उससे नीचे	75.9	58.7
कक्षा XI या कक्षा XII	80.3	53.3
अंडरग्रेजुएट या अन्य	83.8	52.4
अनामांकित	78.0	57.6

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
असर ASER 2023
AGE 14-18 RURAL
Facilitated by PRATHAM

डिजिटल कार्य

उन युवाओं के लिए जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला पाए*

अलार्म लगाना

कल सुबह 8:30 बजे

प्रश्न : कल सुबह 8:30 बजे के लिए अलार्म लगाएँ।

निर्देश : यदि फोन में AM-PM सेटिंग है, तो उत्तर कोड करने से पहले सुनिश्चित करें कि युवा ने सही विकल्प चुना हैं।

ऑनलाइन जानकारी ढूंढना

भारत की पहली महिला राष्ट्रपति

प्रश्न : भारत की पहली महिला राष्ट्रपति का नाम फोन पर ढूँढ़कर बताएँ।

निर्देश : इससे फ़र्क नहीं पड़ता है कि युवा किस सर्च इंजन का उपयोग कर रहे हैं। वे गूगल, यूट्यूब या किसी अन्य सर्च इंजन का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि युवा सही उत्तर बोलकर या इशारा कर के बता पाए।

गूगल मैप्स का प्रयोग

Maps
(मैप्स)

प्रश्न : Maps (मैप्स) खोलें और मुझे बताएँ, कि अगर आपको अपनी वर्तमान/current लोकेशन से <ज़िले के नाम> बस/टैक्सी स्टैंड तक बाईक/two-wheeler से पहुँचना हो, तो आपको कितना समय लगेगा?

निर्देश : सुनिश्चित करें कि युवा यह टास्क गूगल मैप्स जैसी ऐप पर करें, न कि गूगल जैसे सर्च इंजन पर। यदि युवा सही उत्तर की ओर इशारा कर के दिखाएँ, तब भी हम उसे सही मानेंगे। ध्यान दें कि युवा मैप्स पर 2-व्हीलर और 4-व्हीलर में से सही विकल्प चुन रहे हैं।

यूट्यूब में वीडिओ ढूंढना और साझा करना

PMGDISHA Module 1
(पी.एम.जी.दिशा मॉड्यूल 1)

प्रश्न : "PMGDISHA मॉड्यूल 1" वीडियो को YouTube पर ढूँढ़कर दिखाएँ।

निर्देश : सुनिश्चित करें कि युवा आपको यूट्यूब पर सही वीडियो ढूँढ़ कर दिखाएँ।

*सर्वेक्षण के दौरान युवाओं को डिजिटल कार्य करने के लिए अच्छी कनेक्टिविटी वाल स्मार्टफोन लाने के लिए कहा गया था।

सभी ज़िले डिजिटल

विश्लेषण घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 26 राज्यों के 28 ज़िले।
ऐसे आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिनके लिए सैम्पल अपर्याप्त है।

Annual Status of Education Report
असर ASER 2023
AGE 14-18 RURAL
Facilitated by PRATHAM

टेबल 42: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो स्मार्टफोन पर डिजिटल कार्य कर सके

लिंग	युवाओं का % जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला पाए*	इनमें से, उन युवाओं का % जो निम्नलिखित कार्य कर सके :				
		अलार्म लगाना	ऑनलाइन जानकारी ढूंढना	गूगल मैप्स का प्रयोग	यूट्यूब पर वीडियो ढूंढना	उनमें से जो वीडियो ढूंढ पाए, युवाओं का % जो वीडियो साझा कर पाए
लड़के	72.9	74.7	72.0	48.9	85.2	92.5
लड़कियाँ	62.0	58.0	69.7	25.3	77.9	85.8
सभी	67.1	66.4	70.9	37.1	81.6	89.3

टेबल 43: नामांकन स्थिति के अनुसार, उन युवाओं का % जो स्मार्टफोन पर डिजिटल कार्य कर सके

लिंग	युवाओं का % जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला पाए*	इनमें से, उन युवाओं का % जो निम्नलिखित कार्य कर सके :				
		अलार्म लगाना	ऑनलाइन जानकारी ढूंढना	गूगल मैप्स का प्रयोग	यूट्यूब पर वीडियो ढूंढना	उनमें से जो वीडियो ढूंढ पाए, युवाओं का % जो वीडियो साझा कर पाए
कक्षा X या उससे नीचे	62.5	61.7	68.3	30.0	79.1	86.2
कक्षा XI या कक्षा XII	76.7	75.4	79.2	46.1	89.1	92.6
अंडरग्रेजुएट या अन्य	83.2	81.8	84.3	56.7	92.8	95.1
अनामांकित	56.7	49.6	47.3	27.7	61.7	87.0

टेबल 44: लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो स्मार्टफोन पर डिजिटल कार्य कर सके

स्ट्रीम	युवाओं का % जो डिजिटल कार्य करने के लिए स्मार्टफोन ला पाए*	इनमें से, उन युवाओं का % जो निम्नलिखित कार्य कर सके :				
		अलार्म लगाना	ऑनलाइन जानकारी ढूंढना	गूगल मैप्स का प्रयोग	यूट्यूब पर वीडियो ढूंढना	उनमें से जो वीडियो ढूंढ पाए, युवाओं का % जो वीडियो साझा कर पाए
कला/ मानविकी	75.7	69.7	76.0	39.2	87.1	91.0
STEM	81.1	84.6	85.5	57.8	92.8	95.2
वाणिज्य	80.6	87.7	83.8	63.5	95.2	96.1
सभी	77.9	76.6	80.2	48.2	89.9	93.0

चार्ट 12: असर पढ़ने के स्तर के अनुसार, युवाओं का % जो स्मार्टफोन पर डिजिटल कार्य कर सके

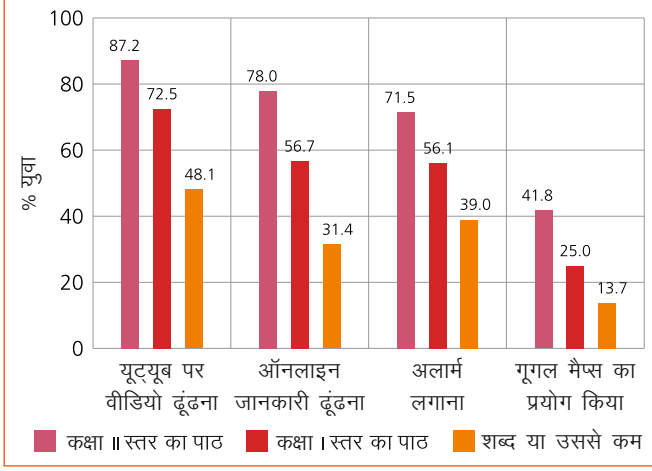

टेबल 45: गूगल मैप्स के सेल्फ-रिपोर्टेड उपयोग की तुलना में युवाओं का गूगल मैप्स कार्य पर प्रदर्शन (%)

गूगल मैप्स का सेल्फ-रिपोर्टेड उपयोग	गूगल मैप्स का कार्य कर पाए	गूगल मैप्स का कार्य नहीं कर पाए	कोई प्रतिक्रिया नहीं	फोन काम नहीं किया	कुल
जो बताते हैं कि गूगल मैप्स का प्रयोग किया है	58.0	15.5	21.6	5.0	100
जो बताते हैं कि गूगल मैप्स का प्रयोग नहीं किया है	14.1	17.8	63.8	4.3	100
सभी	35.7	16.7	43.0	4.7	100

सर्वेक्षण के दौरान, दो-तिहाई से थोड़े अधिक युवा डिजिटल कार्यों को करने के लिए स्मार्टफोन ला पाए। लड़कियों की तुलना में ज़्यादा लड़के स्मार्टफोन ला पाए (टेबल 8)। जो युवा स्मार्टफोन ला सके, उनमें से लगभग 80% युवा यूट्यूब पर पूछे गए वीडियो को ढूँढ सके और इनमें से लगभग 90% इसे किसी के साथ साझा कर पाए। 70% युवा इंटरनेट का प्रयोग कर किसी प्रश्न का उत्तर खोज सके। लगभग दो-तिहाई युवा निर्धारित समय का अलार्म सेट कर सके और एक-तिहाई से कुछ अधिक युवा दो स्थानों के बीच यात्रा में लगने वाले समय का पता लगाने के लिए गूगल मैप्स का प्रयोग कर सके। सभी कार्यों में, लड़कों ने लड़कियों से बेहतर प्रदर्शन किया (टेबल 42)। जिन युवाओं ने यह बताया कि उन्होंने पहले गूगल मैप्स का प्रयोग किया है, उनमें से 60% से भी कम युवा गूगल मैप्स का कार्य कर पाए (टेबल 45)। कक्षा स्तर के साथ डिजिटल कार्यों पर प्रदर्शन में सुधार होता है (टेबल 43)। जबकि अधिकांश युवा यूट्यूब कार्य कर सकते हैं, कला/मानविकी के छात्र STEM और वाणिज्य के छात्रों की तुलना में अन्य सभी कार्यों में पीछे हैं (टेबल 44)। इसके अतिरिक्त, बुनियादी पढ़ने के स्तर के साथ डिजिटल कार्य करने की क्षमता बढ़ती है (चार्ट 12)।

*सर्वेक्षण के दौरान युवाओं को डिजिटल कार्य करने के लिए अच्छी कनेक्टिविटी वाल स्मार्टफोन लाने के लिए कहा गया था।

हमने युवाओं से उनकी आकांक्षाओं के बारे में क्या पूछा?

पूछे गए प्रश्नों की पूरी सूची के लिए, युवा की जानकारी प्रपत्र पृष्ठ संख्या 210 पर देखें।

असर 2023 'बियॉन्ड बेसिक्स' में, युवाओं की आकांक्षाओं का डाटा मात्रात्मक (quantitative) और गुणात्मक (qualitative) दोनों तरीकों से एकत्रित किया गया। जहाँ एक ओर सर्वेक्षण ने युवाओं की शैक्षिक और करियर संबंधित आकांक्षाओं पर जानकारी प्रदान की, वहीं दूसरी ओर फोकस समूह चर्चा (Focus Group Discussions) ने इन आकांक्षाओं को प्रभावित करने वाले कारणों का पता लगाया।

मात्रात्मक

इन विषयों पर प्रश्न पूछे गए :

- शैक्षिक आकांक्षाएँ
- करियर/काम संबंधित आकांक्षाएँ
- रोल मॉडल्स

गुणात्मक

इन बिन्दुओं पर चर्चा की गई :

- शैक्षिक आकांक्षाएँ
- करियर/काम संबंधित आकांक्षाएँ
- स्कूल, समुदाय और घरेलू संदर्भ का प्रभाव
- ट्रेवल और मीडिया का एक्सपोज़र
- सामाजिक मूल्य और मानदंड

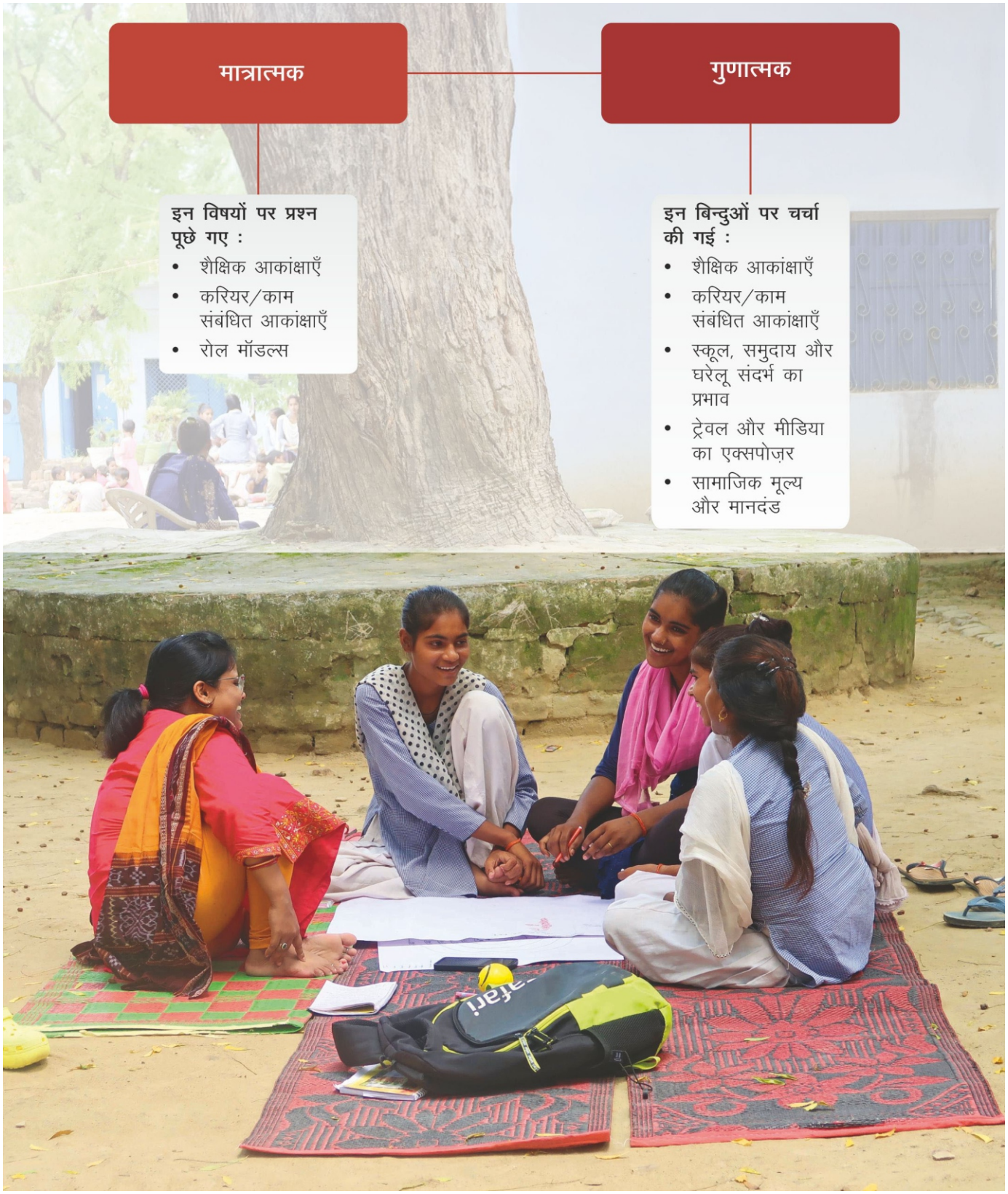

असर 2023 ने युवाओं की आकांक्षाओं के विषय के बारे में दो तरीकों से पता लगाने का प्रयास किया। पहले, यह विषय 28 जिलों में रैंडम रूप से चयनित घरों में 14-18 वर्ष के युवाओं के साथ किए गए सर्वेक्षण में शामिल किया गया। दूसरा, एक छोटे तौर पर किए गए गुणात्मक भाग में इस आयुवर्ग के युवाओं के साथ फोकस समूह चर्चा (FGD) के माध्यम से इस विषय को और गहराई से समझा गया। कुल मिलाकर, तीन ज़िलों – छत्तीसगढ़ के धमतरी, उत्तर प्रदेश के सीतापुर और हिमाचल प्रदेश के सोलन में 8 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के साथ कुल 56 फोकस समूह चर्चाओं को संचालित किया गया (टेबल 46)।[1,2] दोनों प्रकार के शोध काम से निकले मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैं।

टेबल 46 : लिंग और कक्षा के अनुसार प्रति ज़िले में FGD की संख्या

ज़िला	लड़के			लड़कियाँ			कुल
	कक्षा X	कक्षा XI	कक्षा XII	कक्षा X	कक्षा XI	कक्षा XII	
सीतापुर	6	3	1	4	0	4	18
धमतरी	2	0	4	6	0	6	18
सोलन	5	0	2	9	0	4	20
कुल	13	3	7	19	0	14	56

क्या युवा आगे पढ़ने की इच्छा रखते हैं?

असर 2023 सर्वेक्षण डाटा से पता चलता है कि 14-18 आयु वर्ग के अधिकांश युवा शिक्षा के दायरे में हैं : अधिकांश वर्तमान में नामांकित हैं (टेबल 47), और 60% से अधिक स्नातक (अंडरग्रेजुएट) स्तर या उससे आगे तक पढ़ाई जारी रखने की इच्छा रखते हैं (टेबल 48)। इनमें वे युवा भी शामिल हैं जो वर्तमान में किसी भी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित नहीं हैं (टेबल 49)।

टेबल 47 : आयु और नामांकन स्थिति के अनुसार युवाओं का विभाजन %

आयु	नामांकन स्थिति			अनामांकित	कुल
	विद्यालय (कक्षा X या उससे नीचे)	विद्यालय (कक्षा XI या कक्षा XII)	अंडरग्रेजुएट या अन्य		
14	94.7	1.4	0.1	3.9	100
15	81.0	11.6	0.2	7.2	100
16	44.8	42.6	1.6	10.9	100
17	15.0	57.3	9.4	18.3	100
18	6.9	31.1	29.5	32.6	100
सभी युवा	52.5	27.6	6.7	13.2	100

टेबल 48 : उनमें से जिन्होंने बताया कि वे आगे पढ़ना चाहते हैं, आकांक्षित शिक्षा स्तर और लिंग के अनुसार युवाओं का %

शिक्षा का आकांक्षित स्तर	लड़के	लड़कियाँ	कुल
कक्षा XII या उससे नीचे	19.4	16.7	18.0
डिप्लोमा	7.4	2.8	4.9
अंडरग्रेजुएट	41.2	44.3	42.9
पोस्टग्रेजुएट	18.2	21.0	19.7
अन्य	3.0	3.5	3.3
पता नहीं	10.9	11.7	11.4
कुल	100	100	100

टेबल 49 : उनमें से जिन्होंने बताया कि वे आगे पढ़ना चाहते हैं, आकांक्षित शिक्षा स्तर और नामांकन की स्थिति के अनुसार युवाओं का %

शिक्षा का आकांक्षित स्तर	नामांकन स्थिति			अनामांकित	कुल
	विद्यालय (कक्षा X या उससे नीचे)	विद्यालय (कक्षा XI या कक्षा XII)	अंडरग्रेजुएट या अन्य		
कक्षा XII या उससे नीचे	23.3	6.7	1.1	37.1	18.0
डिप्लोमा	3.9	6.6	3.9	6.3	4.9
अंडरग्रेजुएट	42.7	49.0	33.6	29.3	42.9
पोस्टग्रेजुएट	16.3	22.6	46.3	9.1	19.7
अन्य	2.1	4.9	5.8	3.5	3.3
पता नहीं	11.7	10.2	9.4	14.8	11.4
कुल	100	100	100	100	100

[1] गुणात्मक भाग के लिए प्रयोग की गई विधि को पृष्ठ संख्या 232 पर वर्णित किया गया है।

[2] गुणात्मक भाग के लिए चुने गए तीन ज़िले असर 2023 में सर्वेक्षित 28 जिलों से अलग हैं।

कुल मिलाकर, लड़कों की तुलना में अधिक लड़कियाँ बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई जारी रखने की आकांक्षा रखती हैं

असर 2023 सर्वेक्षण के निष्कर्षों में, लड़कियों की तुलना में ज़्यादा लड़कों ने बताया कि वे बारहवीं कक्षा के बाद नहीं पढ़ना चाहते (टेबल 48)। फोकस समूह चर्चाओं में भी सभी तीन स्थानों में एक समान निष्कर्ष सामने आया : लड़कियों ने कम से कम अंडरग्रेजुएट तक पढ़ने की इच्छा व्यक्त की, जबकि लड़कों ने अपनी स्कूली शिक्षा को पूरा करने के बाद शिक्षा को छोड़ने की संभावना के बारे में बात की।

लड़कियों में, शादी की उचित उम्र के संबंध में बदलते सामाजिक मानदंड उनकी आगे तक पढ़ने की क्षमता का एक मुख्य कारण निकलकर आया। सीतापुर में कुछ लड़कियों को छोड़कर, तीनों स्थानों में अधिकांश लड़कियों की अपेक्षा थी कि उनकी शादी 21 या 22 वर्ष की उम्र के बाद हों, जिससे उन्हें तब तक पढ़ाई जारी रखने का समय मिले। हालाँकि, विवाह की उचित आयु में वृद्धि ने इन लड़कियों के लिए उच्च माध्यमिक और कॉलेज स्तर की पढ़ाई को सामाजिक रूप से स्वीकार्य बनाया है, लेकिन उनके लिए आगे की शिक्षा ज़्यादातर रोज़गार हासिल करने से जुड़ी हुई नहीं थी।

पढ़ाई और रोज़गार के बीच का यह अंतर उन अलग भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों पर आधारित था जिन्हें युवक और युवतियाँ अपने भविष्य के लिए मुख्य मानते हैं। पूरी चर्चा के दौरान, भविष्य के बारे में लड़कियों के विचार में उनकी घरेलू ज़िम्मेदारियाँ प्रमुख स्थान पर थीं – उनके जीवन का एक ऐसा पहलू जो उनके वर्तमान और भविष्य दोनों में उपलब्ध विकल्पों को आकार भी देता और उन्हें प्रतिबद्ध भी करता है। जैसा कि सीतापुर की एक लड़की ने कहा, *"मुझे लगता है कि लड़कियों का जीवन लड़कों से अलग है। लड़कों को तो सिर्फ़ अपना काम करना है। लड़कों पर भी और ज़िम्मेदारियाँ होती हैं, लेकिन घर की सारी ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं पर ही आती हैं।"* हालाँकि जिन लड़कियों से हमने बात की उन्होंने समय-समय पर इन ज़िम्मेदारियों के प्रति नापसंदगी या नाराज़गी व्यक्त की, लेकिन उनमें से किसी ने भी इन भूमिकाओं पर प्रश्न नहीं उठाएँ।

इस संदर्भ में, अधिकांश लड़कियाँ सक्रिय रूप से अपनी शिक्षा जारी रखने की आकांक्षा क्यों रखती हैं? फोकस समूह चर्चाओं से दो मुख्य कारण सामने आए। पहला यह था कि उनके दृष्टिकोण में शिक्षा उन्हें बेहतर गृहणी बनाने में मदद करेगी। शिक्षा के लाभ के बारे में पूछे जाने पर, सीतापुर में दसवीं कक्षा की एक लड़की ने जवाब दिया, *"हम घर को कैसे संभालें, दूसरों से कैसे बात करें, अपने आप को कैसे प्रस्तुत करें, हमारे आस-पास के लोगों का सम्मान कैसे करें, यह सब सीख सकते हैं।"* वास्तव में यह हमेशा स्पष्ट नहीं था कि अधिक शिक्षा लेने से इन परिणामों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। कुछ लड़कियों ने बताया कि शिक्षा द्वारा प्राप्त नैतिक मूल्य बच्चों को सिखाए जा सकते हैं, कुछ और ने बताया कि शिक्षा के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रम किये जा सकते हैं, जैसे ब्यूटी या सिलाई के काम के साथ आगे की पढ़ाई साथ में करके, वे अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों के साथ कुछ पैसे कमा सकते हैं।

दूसरा, और अधिक ठोस कारण जो लड़कियों ने हमें बताया, वह सरल था : उन्हें स्कूल आना पसंद था। यह उन्हें उनकी रोज़मर्रा की दिनचर्या से राहत देता था। हालाँकि नियमित घरेलू काम के कारण पढ़ाई के लिए कम समय उपलब्ध हो पाता था (उदाहरण के लिए, लड़कियों ने बताया कि घर के काम को पूरा कर पाने के लिए उन्हें अपनी पढ़ाई के समय का त्याग करना पड़ता था या देर रात को अपनी पढ़ाई करनी पड़ती थी), कई लड़कियों का यह भी कहना था कि उन्हें स्कूल जाना पसंद हैं क्योंकि यह उनकी घरेलू ज़िम्मेदारियों से छुटकारे का एकमात्र रास्ता है – और इसलिए वे जब तक संभव हो सके पढ़ाई जारी रखने के इच्छुक थी।

फैसिलिटेटर (F): क्या आप अपने गाँव में (दोस्तों के साथ) खेलते हैं?

प्रतिभागी (P): जब हम छोटे थे तो हम खेला करते थे, अब हम नहीं खेलते है।

F: आप शाम को अपने गाँव में क्या करते हैं? क्या आप टहलने जाते हैं?

P: हमें ज़्यादा समय नहीं मिलता है। जब तक हम घर पर अपना काम खत्म करते हैं तब तक देर हो जाती है।

(धमतरी, कक्षा XII, लड़कियाँ)

F: क्या आप सभी को स्कूल आना पसंद है?

सभी (एक साथ): हाँ।

F: आपको स्कूल के बारे में सबसे ज़्यादा क्या पसंद है?

P: मज़े करना!

P: दोस्तों से मिलना।

F: आप अपने लंच ब्रेक या खाली समय में क्या करते हैं?

P: हम गाने गाते हैं।

(धमतरी, कक्षा XII, लड़कियाँ)

इसके विपरीत, असर सर्वेक्षण डाटा से पता चलता है कि कुल मिलाकर, लड़कियों की तुलना में अधिक लड़कों ने केवल बारहवीं कक्षा तक पढ़ने की इच्छा व्यक्त की। फोकस समूह चर्चाओं में भाग लेने वाले अधिकांश लड़कों के मन में जल्द से जल्द पैसा कमाने की आवश्यकता प्रमुख थी। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी उम्र के काफ़ी लड़कों ने अक्सर स्कूल में पढ़ने के दौरान अपने घर का खर्च चलाने के लिए काम करना शुरू कर दिया था। आर्थिक समस्याओं की स्थितियों में, जहाँ एक ओर उनकी बहनों को स्कूल से निकाल लिया जाता, वहीं दूसरी ओर अक्सर लड़कों के पास यह विकल्प होता था कि वे अपने स्कूल की फ़ीस भरने के लिए अपनी आय का खुद से स्रोत ढूंढ सकें।

F: आपने मुझसे कहा कि आपकी बहनों को आर्थिक तंगी के कारण स्कूल छोड़ना पड़ा, लेकिन आपकी शिक्षा के लिए भी पैसे की ज़रूरत है, तो आप क्या करेंगे?

P1: सर, हम पढ़ाई के लिए खुद पैसे कमाते हैं क्योंकि घर की स्थिति अच्छी नहीं है।

F: आप कहाँ काम करते हैं?

P1: हमारे पास नौकरी नहीं है लेकिन जब हमें पैसे की ज़रूरत होती है तो हम काम करते है।

P2: सर, मैं एक मोबाइल शॉप में काम करता हूँ। मैं वहाँ चीजें बनाता हूँ और पैसे कमाता हूँ।

F: क्या आपको फ़ोन रिपेयर करना आता है?

P2: हाँ, सर।

F: और आप?

P3: मैं तब काम करता हूँ जब मुझे पैसे की जरूरत होती है जैसे कि मुझे स्कूल की फीस भरनी हो।

F: आप क्या करते हैं?

P3: मैं खेतों में गन्ने की कटाई का काम करता हूँ।

(सीतापुर, कक्षा X, लड़के)

संपन्नता के मामले में तीनों ज़िले एक दुसरे से अलग थे। इसका प्रभाव साफ़ तौर पर इन जिलों में लड़कों के साथ शिक्षा के बदले काम और काम के बदले शिक्षा के फायदे संबंधित चर्चाओं में दिखा। धमतरी में लड़कों ने पढ़ाई के साथ खेती करने के बारे में विस्तार से बताया, वहीं सीतापुर में लड़कों ने पढ़ाई जारी रखने के लिए मज़दूरी या पास की फैक्ट्री में काम करके पैसा कमाने की बात कही। इसके विपरीत, सोलन में लड़कों ने अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए काम करने की ज़रुरत नहीं बताई। हाँलाकि तीनो स्थानों पर, लड़के जैसे ही वयस्क हो जाते हैं, समाज और परिवार की ओर से पैसे कमाने का दबाव ज़रुर महसूस करते हैं। काम और पैसे कमाना उनकी सोच पर हावी था जिसकी वजह से वे आईटीआई (Industrial Training Institutes) या ऐसे पाठ्यक्रमों के बारे में सोच रहे थे जो सीधा किसी पेशे से जुड़े हुए हैं, जो स्कूली शिक्षा पूरी होने के बाद शुरू किए जा सकते हैं। बहुत लड़के उच्च शिक्षा छोड़ने के लिए तैयार थे, अगर उनके सामने कोई पेशा या रोज़गार का माध्यम उपलब्ध हो।

हालाँकि फोकस समूह चर्चाओं में, लड़कियों और लड़कों दोनों ने ही स्पष्ट इच्छाएँ और प्राथमिकताएँ व्यक्त की, लेकिन युवाओं की अपनी खुद की राय उनके भविष्य संबंधी निर्णय लेने के लिए कितनी मायने रखती है, इसमें बड़ा लैंगिक अंतर हैं। सामान्य तौर पर लड़के यह निर्णय लेने या कम से कम उन्हें आकार देने में सक्षम थे – यदि उन्हें आगे पढ़ने में रुचि नहीं थी, तो वे अपने परिवार की राय के बावजूद पढ़ाई छोड़ सकते थे। लड़कियों के मामले में यह निर्णय अक्सर उनके हाथ में नहीं होते थे। इसके उदाहरण सीतापुर फोकस समूह चर्चा में लड़कियों द्वारा की गई टिप्पणियों में स्पष्ट है। उदाहरण के लिए, बारहवीं कक्षा की एक लड़की के अनुसार, *"मेरे पिता जी कहते हैं कि वह मेरी शादी करने से पहले मुझे बी.ए. पूरा करने देंगे, हालाँकि मेरे भाई का कहना है कि बी.ए. में दाखिला लेने के बाद वे मेरी शादी कर सकते हैं। मेरा मतलब है कि मैं ऐसे मामलों में कुछ नहीं कह सकती, यह उन पर निर्भर है।"* भले ही लड़कियों को आगे पढ़ने की इच्छा हो, लेकिन उच्च माध्यमिक विद्यालय उनके घरों से काफी दूरी पर स्थित होने के कारण, सीतापुर में परिवार के लोग अपनी बेटियों को दसवीं कक्षा तक तो स्कूल भेजते, लेकिन अक्सर उन्हें एक घंटे साइकिल चलाकर इतनी दूर जाने की अनुमति देकर उनकी सुरक्षा या इज्ज़त को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं थे।

P: मैडम, मैं पढ़ना चाहती हूँ लेकिन मेरी माँ मुझे बारहवीं कक्षा तक ही पढ़ने को कहती हैं।

F: क्यों?

P: वे कहती हैं कि गाँव में बारहवीं तक स्कूल है तो मैं तब तक पढ़ सकती हूँ। बाद में, मैं पढ़ाई नहीं कर सकती क्योंकि मेरा भाई बाहर चला जाएगा तो मैं कहीं अकेले नहीं जा सकती।

(सीतापुर, कक्षा X, लड़कियाँ)

युवाओं की करियर या काम संबंधित आकांक्षाएँ क्या हैं?

असर सर्वेक्षण के अंतर्गत युवाओं से यह पूछा गया कि क्या वे भविष्य में किसी प्रकार का काम करना चाहते हैं? टेबल 50 उनकी प्रतिक्रियाओं का संक्षेप प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ें यह दिखाते हैं कि अधिकांश युवाओं की काम या करियर संबंधित आकांक्षाएँ जेंडर से बहुत प्रभावित हैं। उन युवाओं में से जो एक विशिष्ट रोज़गार का नाम बता पाए जिसमें उन्हें रूचि थी, पुलिस में भर्ती होने के अलावा (जिस पर नीचे और चर्चा की गई है), लड़के और लड़कियों ने बहुत अलग विकल्प चुने। सैंपल में लड़कों और युवकों में दो सबसे अधिक चयनित विकल्प फौज (13.8%) और पुलिस (13.6%) थे, और इनके अतिरिक्त अन्य सभी काम के वर्ग बहुत पीछे देखने को मिले। सर्वेक्षित लड़कियों और युवतियों में शिक्षिका (16%) और डॉक्टर (14.8%) सबसे अधिक चुने गए, और पुलिस (12.5%) तीसरा सबसे चुनिंदा विकल्प निकल कर आया।

लड़कियों में, सामाजिक-आर्थिक संदर्भ से बहुत फ़र्क पड़ता है

फोकस समूह चर्चा से प्राप्त गुणात्मक डाटा हमें इनमें से कुछ निष्कर्षों को अधिक विस्तार से समझने में मदद करता है। फोकस समूह चर्चा में भाग लेने वाली लड़कियों के रहने के स्थान के सामाजिक-आर्थिक संदर्भ का उनकी भविष्य में काम करने की संभावनाओं के बारे में सोच पाने की क्षमता पर काफ़ी प्रभाव था। यह अंतर मोटे तौर पर राज्यों में सर्वेक्षण से प्राप्त हुए ज़िला-स्तरीय अनुमानों में प्रतिबिंबित हैं (टेबल 52) (भले ही फोकस समूह चर्चा के लिए चुने गए तीन ज़िले असर 2023 में सर्वेक्षित 28 ज़िलों से अलग हैं)। उदाहरण के लिए, हाथरस (उत्तर प्रदेश) के सर्वेक्षण डाटा में यह देखने को मिलता है कि एक-तिहाई से अधिक लड़कियाँ और युवतियाँ अपनी करियर/काम संबंधित आकांक्षा बता पाने में असमर्थ थी। यह बात सीतापुर में लड़कियों के साथ हुए फोकस समूह चर्चा में भी उभर कर आई – उनके लिए किसी भी प्रकार की काम संबंधित आकांक्षा को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना तो दूर, कल्पना करना तक मुश्किल था। इन लड़कियों की भविष्य में अपनी पसंद से कुछ भी चुन पाने की आज़ादी ना के बराबर थी। आगे बढ़ने के लिए उनके परिकल्पित मार्ग गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर केंद्रित थे, और पैसा कमाने के साधनों की संभावनाएँ उन कौशलों तक सीमित थी जिसमें घरेलू काम पर कोई असर न पड़े और जिन्हें घर पर संचालित किया जा सके, जैसे सिलाई और ब्यूटी पार्लर। यह कौशल उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित नहीं करते थे, बल्कि केवल घर के लिए कुछ पूरक आय उत्पन्न करने के साधन थे।

इसके विपरीत, धमतरी और सोलन दोनों में, लड़कियों के मन में इस बारे में कई विचार थे कि वे भविष्य में क्या करने की आकांक्षा रखती हैं – विशेषकर सोलन में (चित्र 1)। दोनों स्थानों में शिक्षिका या डॉक्टर सबसे अधिक चुने गए विकल्प थे – ऐसी नौकरियाँ जो उन्हें पैसा कमाने में सक्षम बनाएँगी, जिनमें घर से ज़्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, और जो महिलाओं के लिए उचित मानी जाती है – जैसे बच्चों के साथ काम करना या समुदाय की सेवा करना।

सोलन में एक बड़ा अंतर यह था कि वहाँ इन लड़कियों की व्यावसायिक रुचियों का दायरा बहुत बड़ा था (गायक, मॉडल और अभिनेता से लेकर न्यायाधीश और राजनेता तक) और बड़े पैमाने पर सामाजिक रूढ़ियों या पारिवारिक अपेक्षाओं से अप्रतिबंधित था; अक्सर इनकी काम संबंधित आकांक्षाओं के पीछे व्यक्तिगत रुचि ही मुख्य कारण था। इनमें से अधिकांश लड़कियों के मन में यह बिल्कुल स्पष्ट था कि वे अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करेंगी, और इसमें भी कोई संदेह नहीं था कि उनके परिवार उनके द्वारा चुने गए विकल्पों का समर्थन करेंगे। उदाहरण के लिए, सोलन में जो लड़कियाँ शिक्षक बनना चाहती थी, वे कई प्रकार के काम के विकल्पों के बारे में बात कर पा रही थी और उन्होंने बताया कि पढ़ाने में व्यक्तिगत रुचि उनके शिक्षक बनने का मुख्य प्रेरणा-स्रोत

टेबल 50 : लिंग और करियर/काम संबंधित आकांक्षाओं के अनुसार युवाओं का %

करियर/काम संबंधित आकांक्षा	लड़के	लड़कियाँ	सभी
पता नहीं/सोचा नहीं है	19.9	22.0	21.0
पुलिस	13.6	12.5	13.0
शिक्षक	6.0	16.0	11.4
डॉक्टर	7.1	14.8	11.3
फौज	13.8	2.4	7.7
अन्य	7.9	6.8	7.3
इंजिनीयर	9.6	3.4	6.3
नर्स	0.5	8.4	4.8
कोई भी सरकारी नौकरी	5.4	3.9	4.6
काम नहीं करना चाहते	2.0	2.1	2.1
आईएएस (IAS)	1.7	2.3	2.0
खुद का या परिवार का व्यवसाय	3.4	0.6	1.9
कोई भी निजी नौकरी	2.5	0.8	1.6
आईपीएस (IPS)	1.1	1.7	1.4
कृषि संबंधित काम	2.5	0.4	1.4
घर का काम	0.9	1.6	1.3
खिलाड़ी	2.2	0.3	1.2
कुल	100	100	100

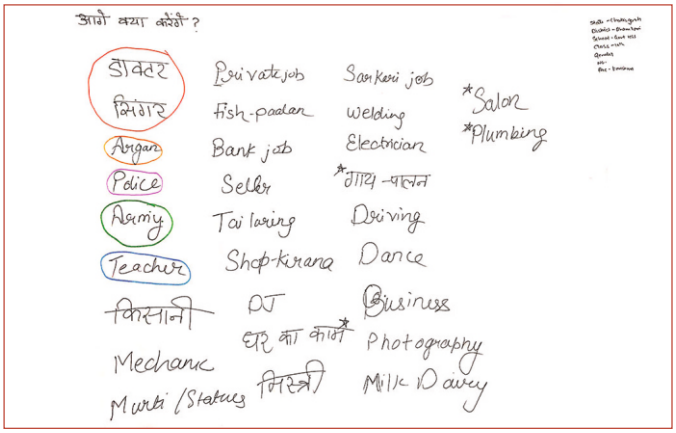

चित्र 1: छात्रों ने उन सभी व्यवसायों की एक व्यापक सूची बनाई जिनके बारे में वे सोच सकते थे – ऐसे काम जिन्हें उन्होंने अपने आस-पास देखा था, ऐसे जो उन्हें अन्य लोगों से पता चले, या ऐसे काम जिनके बारे में उन्हें डिजिटल या अन्य मीडिया प्लेटफ़ॉर्म से पता चला। सूची बनाने के बाद, उनसे उन व्यवसायों को चिह्नित करने के लिए कहा गया जिनमें उनकी रुचि थी। यह चार्ट फोकस समूह चर्चा के दौरान सोलन (ऊपर) और धमतरी (नीचे) में लड़कियों के साथ मिलकर बनाए गए थे।

था। जबकि धमतरी में लड़कियों के लिए पैसा कमाना प्रथम कारण था और इस लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षक की नौकरी एक साधन था।

F: आप में से तीन ने शिक्षक बनना चुना है। क्यों?

P1: मैं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहती हूँ। मैं अपने परिवार के सामने खुद को भी साबित करना चाहती हूँ कि मैं कुछ कर सकती हूँ।

P2: मैं भी पैसा कमाना चाहती हूँ।

(धमतरी, कक्षा XII, लड़कियाँ)

सर्वेक्षण के निष्कर्षों के समान, फोकस समूह चर्चाओं में भी दोनों लड़के और लड़कियों ने पुलिस बनने की आकांक्षा ज़ाहिर की। यह आकांक्षा स्पष्ट रूप से समुदाय के ऐसे लोगों से परिचय से प्रभावित थी जो पुलिस में थे। अधिकांश लड़कियाँ जिन्होंने कहा कि वे पुलिस बल में शामिल होना चाहती हैं, या तो किसी रिश्तेदार या अपने गाँव की किसी अन्य महिला से प्रेरित थी जो पुलिस में है; यही तर्क लड़कों ने भी दिया। छात्रों ने ताकत और प्रसिद्धि जैसे कारण भी बताएँ – यह लड़कियों की बातों में स्पष्ट है, जैसे, *"मुझे पुलिस की वर्दी बहुत पसंद है इसलिए मैं पुलिस बनना चाहती हूँ। मेरे कॉलोनी में एक लड़की पुलिस में है और जब मैं उसे देखती हूँ तो मुझे अच्छा लगता है"* और *"अगर आप वर्दी में है तो कोई छेड़ता नहीं है।"*

लड़कों के चुने हुए विकल्प आय सृजन पर केंद्रित थे

फोकस समूह चर्चा में भाग लेने वाले लड़कों की आकांक्षाओं को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक था घर के खर्चों के लिए पैसा कमाना। यह पैटर्न तीनों ज़िलों के फोकस समूह चर्चाओं में समान था। संभावित आय उत्पन्न करने वाले काम के विकल्पों की सीमा में, लड़कों ने जो विकल्प चुने, और उसके पीछे के जो तर्क थे, उनमें उनकी इन नौकरियों में सम्मिलित ज़िम्मेदारियों और फायदों की अपनी समझ झलकती है। इसलिए, सेना में भर्ती होने का कारण पैसा कमाने के साथ-साथ देश की सेवा और रक्षा करना भी था। साथ ही, यह इन लड़कों और उनके परिवार के लिए सम्मान प्राप्त करने का एक ज़रिया था, जो शैक्षणिक सफलता पर निर्भर नहीं था। उदाहरण के लिए, धमतरी में दसवीं कक्षा के एक लड़के ने हमसे कहा *–"मैं फेमस हो जाऊँगा और समाज में सम्मान मिलेगा कि गाँव का एक लड़का सेना में गया है। मेरे पिताजी हाई स्कूल में फेल हो गए थे, लेकिन इससे उन्हें भी पहचान मिलेगी। मुझे पैसे भी मिलेंगे और मैं देश की रक्षा कर सकूंगा।"* जिन लड़कों ने कहा कि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, वे आमतौर पर अपने परिवार या समुदाय में किसी ऐसे व्यक्ति को जानते थे जो खुद का व्यवसाय कर रहे हैं। प्रायः उनके पास एक प्लान था कि वे किस तरह का व्यवसाय करना चाहते हैं और इसके लिए आवश्यक कौशल कहाँ से सीखेंगे।

इस काम की चर्चा के दौरान लड़कों और लड़कियों दोनों ने जो प्रतिक्रियाएँ दी उनमें यह अवधारणा समान थी कि यह घर के बाहर करने वाली नौकरियाँ किसी सरकारी संस्थान या सेवा में होंगी। चाहे चर्चा किसी भी रोज़गार की हो – शिक्षक, सेना, इंजीनियर या पुलिस – इन सब में युवाओं ने "जॉब सिक्यूरिटी" यानी कि रोज़गार सुरक्षा, पेंशन और सम्मान कमाने के महत्व को रेखांकित किया। सोलन में दसवीं कक्षा के एक छात्र ने कहा, *"क्योंकि निजी सेवा में वे आपको 3 या 6 महीने के प्रोबेशन पर रखते हैं, वे आपको कभी भी बाहर निकाल सकते हैं...और अगर हमें कुछ हो जाता है, तब भी सरकारी नौकरी में हमें वेतन मिलता है। शिक्षकों को तो छुट्टी पर भी वेतन मिलता है। जैसे कि लॉकडाउन में, सरकारी शिक्षकों को वेतन मिल रहा था, लेकिन निजी शिक्षकों को नहीं...हर किसी को सरकारी नौकरी चाहिए, सम्मान है, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन मिलती है। जैसे मेरे दादाजी ड्राइवर थे, फिर सेना में और फिर पुलिस में भर्ती हुए, उन्हें अभी भी पेंशन मिलती है।"*

सर्वेक्षण के जवाबों से अनुपस्थित : व्यावसायिक काम और खेती

असर 2023 सर्वेक्षण में पाया गया कि युवाओं का व्यावसायिक या वोकेशनल काम की ओर झुकाव नहीं हैं। गुणात्मक डाटा यह संकेत देता है कि इन नौकरियों को समाज में कमतर माने जाने की वजह से व्यावसयिक काम और खेती में युवाओं की रुचि कम है। नीचे दी गई बातचीत में युवाओं का व्यावसायिक काम के प्रति नज़रिया झलकता है :

F: टीचिंग लाइन बताओ क्यों अच्छी होती है?

P: क्योंकि जैसे ब्यूटी पार्लर में इतनी लेडीज़ आएँगी...जैसे टीचिंग हाथ का काम नहीं है, नॉलेज का काम है।

(सोलन, कक्षा XII, लड़कियाँ)

फोकस समूह चर्चा में यह स्पष्ट था कि कई युवा व्यावसायिक काम को "बैकअप" प्लान के तौर पर सोच रहे थे यदि वे अपनी प्राथमिक आकांक्षा पाने में असमर्थ होते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के संभावित व्यवसायों के बारे में बात की, जैसे धमतरी में मैकेनिक और राजमिस्त्री, सोलन में होटल मैनेजमेंट और सीतापुर में टेलरिंग।

लड़कों की तुलना में लड़कियों ने व्यावसायिक विकल्प चुनने के अलग कारण बताए। तीनों स्थानों में, उन्होंने अधिकांश सिलाई और ब्यूटी पार्लर का काम करने की इच्छा जताई। इन व्यवसायों के लिए उनके सामने उन औरतों के रूप में रोल मॉडल थे जिन्हें वे अपने आस-पास अलग-अलग पैमाने पर यह काम करते हुए देखते हैं – घर पर अपने परिवार के लिए, घर में एक छोटे सेटअप की तरह या गाँव में एक छोटे उद्यम के रूप में। कई चर्चाओं में आत्मनिर्भरता पर बात हुई और लड़कियों ने शादी के बाद घरेलू काम-काज के साथ छोटी आय ही सही, लेकिन पैसा कमाने की इच्छा व्यक्त की। यह बात खासतौर पर सीतापुर की लड़कियों के संदर्भ में लागू थी।

P: हम पार्लर का काम सीखना चाहते है। सिर्फ खुद के लिए नहीं, बल्कि और लोगों का करके पैसा कमाने के लिए। तो पहली चॉइस सिलाई और दूसरी पार्लर है।

F: आपके अनुसार इससे क्या फायदा मिलेगा?

P: इसमें हमारे हुनर भी निकलेंगे जो हमें आता है और हम खुद के लिए भी अपना जो चाहे कर सकते है। जैसे पार्लर है तो हम खुद पर भी ट्राई कर सकते है, हमें बाहर नहीं जाना होगा। और जब दुसरो का करने लगेंगे तो आर्थिक सहयोग भी है, स्तिथि बेहतर होगी।

(सीतापुर, कक्षा XII, लड़कियाँ)

एक समान पैटर्न खेती संबंधित चर्चा में भी दिखाई दिया। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey) 2022-23 से यह पता चलता है कि ग्रामीण भारत में 58.4% लोग या तो अपनी ज़मीन पर या अनौपचारिक मज़दूर के रूप में खेती का काम करते हैं। लेकिन असर 2023 सर्वेक्षण के आँकड़ें दिखाते हैं कि 14-18 आयु वर्ग के केवल 1.4% युवा ही खेती को अपने प्राथमिक कार्य के रूप में करना चाहते हैं। फोकस समूह चर्चा में भी खेती चुनने के लिए अनिच्छा दिखाई दी। लड़के और लड़कियाँ दोनों खेती को एक ऐसी गतिविधि के रूप में देखते हैं जो उनके दैनिक जीवन का हिस्सा है (इस रिपोर्ट के पिछले भाग में हमने देखा था कि इस आयु वर्ग के 33.7% युवाओं में से जिन्होंने सर्वेक्षण के पिछले महीने में फुल-टाइम या पार्ट-टाइम काम किया था, अधिकांश खेती में काम कर रहे थे)। इसलिए कृषि-कार्य करना इन युवाओं की आकांक्षा नहीं थी। बल्कि, युवा इसे कठिन परिश्रम और धूप में लंबे समय तक काम करने से जोड़ रहे थे। कुछ युवाओं ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता चाहते थे कि वे कोई अन्य "सम्मानजनक" काम करें जिससे वे अभी की तुलना में "बेहतर" कर पाए। सोलन में दसवीं कक्षा के एक लड़के ने कहा, *"आजकल किसान के बेटे भी डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस बनने लगे हैं। बिहार से आईपीएस आईएएस टॉपर निकलते हैं, उसी हिसाब से एक किसान के बेटे-बेटी भी कुछ कर सकते हैं।"* खेती को अक्सर स्कूल में असफल होने और पढ़ाई छोड़ने से जोड़ा जाता है। उनके समकक्ष या अविवाहित भाई-बहन स्कूल छोड़ने के बाद वर्तमान में क्या कर रहे हैं, इस बारे में चर्चा में ज़्यादातर युवाओं ने खेती का ज़िक्र किया। उदाहरण के लिए, धमतरी में बारहवीं कक्षा की एक लड़की ने कहा, *"यहाँ, अगर कोई कुछ भी नहीं बन पाता है, तो वह खेतों में काम करता है।"*

सहायता, मार्गदर्शन और स्कूलों की भूमिका

असर 2023 सर्वेक्षण में यह जानने की कोशिश की गई कि क्या युवा किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वह काम कर रहे हैं जिसे वे भविष्य में करना चाहते हैं।

टेबल 51 : उनमें से जिनकी काम करने की आकांक्षा हैं, लिंग के अनुसार उन युवाओं का % जो किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वह काम करते हैं

लिंग	माता–पिता	घर में कोई अन्य सदस्य	घर में रहने वालों के अलावा कोई रिश्तेदार	कई दोस्त	स्कूल / कॉलेज में कोई व्यक्ति (दोस्तों के अतिरिक्त)	कोई अन्य व्यक्ति	कोई प्रसिद्ध व्यक्ति	किसी को नहीं जानते
लड़के	5.7	9.4	15.9	3.8	10.4	7.9	5.5	42.5
लड़कियाँ	3.0	8.2	15.5	2.1	12.5	6.9	4.1	48.3
सभी	4.3	8.8	15.7	2.9	11.5	7.4	4.8	45.6

किसी ऐसे व्यक्ति को जानना महत्वपूर्ण है जो आगे का मार्गदर्शन करने में मदद कर सके

असर 2023 सर्वेक्षण के आँकड़ों में, हर 4 सर्वेक्षित युवा में से 1 युवा भविष्य में क्या काम करना चाहते हैं यह नहीं बता पाए (टेबल 50)। जो युवा यह बता पाए, उनमें से लगभग आधे युवा किसी ऐसे व्यक्ति की पहचान नहीं कर पाएँ जो वह काम करते हैं जो वे करना चाहते हैं – चाहे वह परिवार या समुदाय का कोई व्यक्ति हो या कोई प्रसिद्ध व्यक्ति जिसे वे व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते (टेबल 51)। लड़कों की तुलना में कई अधिक लड़कियों ने बताया कि उनके इच्छित काम के लिए उनके पास कोई रोल मॉडल नहीं है।

आमतौर पर युवा कई महत्वपूर्ण प्रश्नों से जूझते हैं – क्या पढ़ना है, आगे कितना पढ़ना है या किस प्रकार के काम के बारे में सोचना है। ऐसी परिस्थिति में युवाओं का ऐसे व्यक्तियों से बातचीत करना जो पहले से ही उन प्रश्नों का सामना कर चुके हैं, उन्हें यह समझने में मदद करता है कि क्या संभव है, उसके क्या संभावित नुकसान है और उनसे कैसे बचा जा सकता है, और इसके अतिरिक्त विकल्पों के फ़ायदे और नुकसान क्या हो सकते हैं। युवाओं के निर्णय पर उनके आस-पास के लोग जैसे भाई-बहन, पड़ोसी, दोस्त द्वारा दिए गए मार्गदर्शन का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिला। इसकी शुरुआत भविष्य पर प्रभावी शुरुआती निर्णय से ही हो जाती है, जैसे उच्च माध्यमिक विद्यालय में कौन सी स्ट्रीम लेनी चाहिए।

F: आप कॉमर्स क्यों लेना चाहते हैं?

P: मेरी बहन ने कक्षा 11 में कॉमर्स लिया था, इसलिए मैं भी कॉमर्स लेना चाहती हूँ। वह कहती हैं कि यह ज़्यादातर आसान ही है, बस अकाउंट्स थोड़ा मुश्किल है।

P2: मैं भी पैसा कमाना चाहती हूँ ।

(सोलन, कक्षा X, लड़कियाँ)

जिन युवाओं को दोनों, स्कूल में मार्गदर्शन और घर में मदद मिलती थी, वे शिक्षा और काम के लिए बेहतर प्लान करने में सक्षम थे– चाहे वे घर से या बाहर काम करने के बारे में सोच रहे हों। इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण सोलन में लड़कियों के बीच देखा गया जिन्होंने विस्तार से स्कूल में मिले काम के विकल्पों के एक्सपोज़र के बारे में बात की और साथ ही पैसे कमाने और अपने पैरों पर खड़े होने के लिए घर में माता-पिता के सपोर्ट के बारे में बताया।

F: आपको व्यावसायिक विषय कब से सिखाए जा रहे हैं?

P1: नवीं कक्षा से।

P2: चार साल हो गए।

P3: हम साल में तीन बार विज़िट पर जाते हैं।

F: और आप इन विज़िट्स के लिए कितनी दूर जाते हैं?

P3: ज़्यादा दूर नहीं, बस सोलन तक।

F: और आप हेल्थ केयर विषय में क्या करते हैं?

P4: हम अस्पतालों के विज़िट पर भी जाते हैं।

(सोलन, कक्षा XII, लड़कियाँ)

F: आपके माता-पिता क्या चाहते हैं?

P: वे कहते हैं कि जो करना है करो, लेकिन एक अच्छी जॉब करो। अगर हमारी शादी हो जाए और हमारे ससुराल वाले बुरा व्यवहार करें, तो हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें। अगर हमारा तलाक हो जाता है, हमारे बच्चे हैं, तो हम अपने दम पर कुछ कर सकते हैं। वे कहते हैं कि जिसमें तुम्हारी रुचि है वह करो, लेकिन अच्छी नौकरी ढूँढ़ो। आप आत्मनिर्भर बनो और हमें गर्व महसूस कराओ।

(सोलन, कक्षा X, लड़कियाँ)

स्कूलों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है – लेकिन अक्सर वे इसे नहीं निभाते

फोकस समूह चर्चाओं में करियर/काम संबंधित आकांक्षा उन संदर्भों में सपष्ट रूप से उभरकर आई जहाँ युवा अपने जैसे अन्य लोगों को काम करते हुए देखते हैं, और खुद भी ऐसा करने की कल्पना कर सकते थे। ऐसा ख़ास तौर पर लड़कियों के साथ चर्चाओं में दिखा। भारत के श्रम बल में महिलाओं की कम भागीदारी के संदर्भ में, सोलन में लड़कियों और उनके परिवारों की महिलाओं के काम पर जाने के विचार से परिचित होने की अधिक संभावना थी (महिला श्रम बल भागीदारी दर या Female Labour Force Participation Rate ग्रामीण हिमाचल प्रदेश में 15-29 वर्ष के युवाओं के लिए 61.8% है)। इसकी तुलना में धमतरी (ग्रामीण छत्तीसगढ़ में FLFPR 50.8% है) और सीतापुर (ग्रामीण उत्तर प्रदेश में FLFPR 18.7% है) में FLFPR कम है।

युवाओं के लगातार बढ़ते नामांकन के संदर्भ में शैक्षणिक संस्थान संभावित सहायता और मार्गदर्शन का दूसरा स्रोत हैं। इस मार्गदर्शन का एक हिस्सा, या इसकी कमी, स्कूलों द्वारा युवाओं को दिए जाने वाले एक्सपोज़र में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोलन और धमतरी में हमारे चयनित स्कूलों में ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में कला, विज्ञान और वाणिज्य तीनों स्ट्रीम का विकल्प छात्रों के पास था। वहीं दूसरी ओर सीतापुर के स्कूल में केवल कला की पढ़ाई होती थी। इसके अलावा, लड़कियों के स्कूल में कक्षा IX से आगे की छात्राओं के लिए गणित उपलब्ध नहीं था (लड़कियों के स्कूल के मुख्य शिक्षक ने कहा कि इसकी जगह गृह-विज्ञान उपलब्ध है), जबकि पास में ही लड़कों के स्कूल में गणित उपलब्ध था। स्कूल में स्ट्रीम और विषयों की अनुपलब्धता छात्रों की व्यक्तिगत पसंद को प्रतिबंधित तो करती ही है, साथ ही यह ऐसी रुढ़िवादी सोच को भी मज़बूत करती है कि लड़कियाँ कुछ ही विषय और स्ट्रीम पढ़ सकती हैं।

इसके विपरीत, जब विद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और अनुभवों में व्यापकता होती है, तो इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से युवाओं के भविष्य के बारे में सोचने के तरीके पर दिखता है। उदाहरण के लिए, फोकस समूह चर्चा में यह सामने आया कि सीतापुर में युवाओं का व्यावसायिक पेशों से संपर्क ज़्यादातर समुदाय के माध्यम से था, धमतरी में स्कूल के अतिरिक्त व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से, और सोलन में छात्रों ने अपने विद्यालयों में व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स लिए हुए थे। उपलब्ध व्यावसायिक विषयों में सूचना प्रौद्योगिकी, होटल मैनेजमेंट, पर्यटन, रिटेल और दूरसंचार शामिल थे।

P1: मैम, हमने ऑन द जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) भी की है।

F: कहाँ पर?

P2: मॉल, विशाल मेगा मार्ट।

F: क्या इसमें कुछ प्रैक्टिकल भी है?

P1: ट्रिप भी होती हैं।

P3: जैसे अब हम चंडीगढ़ जाएँगे, तो वह एक ट्रिप होगी।

P4: शैक्षणिक ट्रिप, इसमें हमें यह देखने को मिलेगा कि वहाँ चीजें कैसी हैं।

(सोलन, कक्षा XII, लड़कियाँ)

यह शुरुआती एक्सपोज़र कई मायनों में मदद करता है। यह छात्रों और उनके परिवारों के लिए इन विकल्पों को मान्य बनाता है; यह व्यावसायिक प्रशिक्षण की तरफ़ युवाओं की आकांक्षाएँ जागृत करता है; साथ ही यह आवश्यक जानकारी और सहायता का स्रोत भी बनता है जो छात्रों को यह सोचने में मदद कर सकता है कि इन क्षेत्रों में क्या काम हो सकते हैं और वे वहाँ तक कैसे पहुँच सकते हैं।

P: मुझे सबसे ज़्यादा सेना में भर्ती होने का मन है।

F: आपके पिताजी इसके बारे में क्या कहते हैं?

P: वह कहते हैं कि यह तो ठीक है, लेकिन होटल मैनेजमेंट बेहतर है।

(सोलन, कक्षा X, लड़के)

सोलन में हुए फोकस समूह चर्चाओं में स्कूलों के इस संदर्भ का प्रभाव युवाओं द्वारा चयनित विकल्पों के पीछे के तर्क स्पष्टता से बता पाने और उनके आस-पास के लोगों से मिले मार्गदर्शन का हवाला दे पाने में नज़र आया।

F: बाकि लोगों ने आर्ट्स लेने के बारे में क्यों सोचा?

P: आर्ट्स में गणित ले सकते है, और मुझे गणित पसंद है इसलिए मैंने आर्ट्स चुना।

F: लेकिन क्या गणित बाकि स्ट्रीम में उपलब्ध नहीं है?

P: हाँ, नॉन-मेडिकल में है लेकिन आर्ट्स में बहुत स्कोप है। एक लड़की के दो भाई-बहनों ने मेडिकल और नॉन-मेडिकल लिया था लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही है। विज्ञान में उन्हें ज़्यादा मार्क्स की ज़रूरत होती हैं लेकिन आर्ट्स में हर जगह स्कोप है।

F: आपको क्यों लगता है कि आर्ट्स में ज़्यादा स्कोप है?

P: हम आईएएस/आईपीएस, एचएएस (हिमाचल प्रशासनिक सेवा), शिक्षक बन सकते हैं।

(सोलन, कक्षा X, लड़कियाँ)

असर 2023 सर्वेक्षण के आँकड़ो में, "पता नहीं/सोचा नहीं" श्रेणी में सबसे ज़्यादा प्रतिक्रियाएँ मिली हैं। प्रत्येक पाँच में से एक युवा किसी भी प्रकार की आकांक्षित काम या नौकरी का नाम बताने में असमर्थ थे (21%), और यह अनुपात लड़के-लड़कियों में समान था (टेबल 50)। हालाँकि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन फोकस समूह चर्चाओं में युवाओं के उनके भविष्य के बारे में हुई बातचीत पर विचार एक पहलु सामने लाता है। प्रत्येक फोकस समूह चर्चा के अंत में, प्रतिभागियों को इस 90 मिनट की चर्चा के बारे में हमें लिखित रूप में और गोपनीय तरीके से अपने विचार बताने के लिए कहा गया। अधिकांश प्रतिभागियों ने लिखा कि यह पहली बार था जब किसी ने उनसे पूछा कि वे क्या करना चाहते हैं, और उनके काम और शैक्षणिक आकांक्षाओं पर उनके साथ गहराई से बातचीत की थी (चित्र 2)। तीन अलग-अलग ज़िलों के 8 स्कूलों में लगभग सभी 56 FGD में यह स्पष्ट था कि उनको भविष्य की योजनाओं और संभावनाओं पर चर्चा करने के अवसर प्रायः नहीं मिले थे।

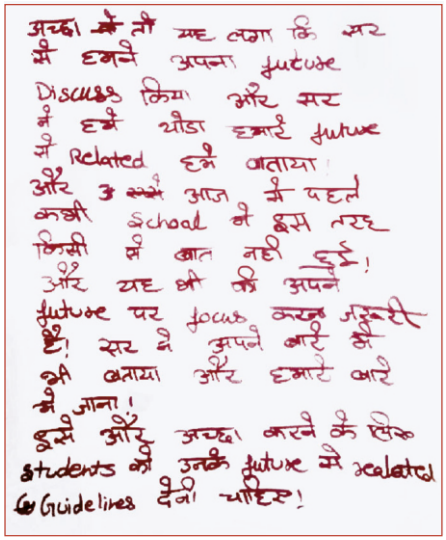

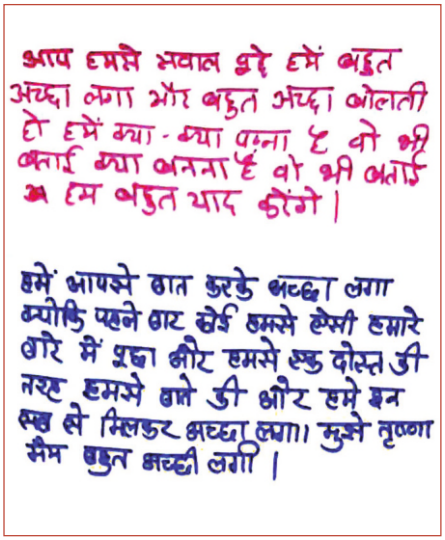

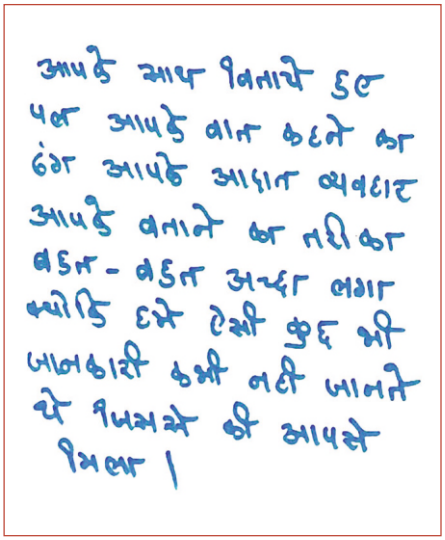

चित्र 2 : प्रत्येक फोकस समूह चर्चा के अंत में, फैसिलिटेटर ने प्रतिभागियों को चर्चा के बारे में अपने विचार लिखने के लिए आमंत्रित किया। ये सोलन (1), सीतापुर (2), धमतरी (3) के तीन अलग-अलग स्कूलों के प्रतिभागियों द्वारा लिखे गए उदाहरण हैं।

असर 2023 ने युवाओं की आकांक्षाओं के प्रश्न दो तरीकों से संबोधित किए है – एक, बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण प्रश्नों के माध्यम से, और दूसरा, फोकस समूह चर्चाओं के ज़रिए गहराई से युवाओं के साथ बातचीत करके। असर 2023 के सर्वेक्षण में व्यापक प्रश्न पूछे गए जिसमें भारत के 28 जिलों में युवाओं की शैक्षणिक और करियर/काम संबंधित आकांक्षाओं पर जानकारी जुटाई गई। सर्वेक्षण करने से प्राप्त आँकड़े प्रतिनिधिक होते हैं, परंतु सर्वेक्षण कुछ सीमाओं से भी बंधे होते हैं – खासकर जब बात दृष्टिकोण और राय को समझना की हो। युवा अपने भविष्य के बारे में कैसे सोच रहे हैं इसकी खोज में, असर 2023 सर्वेक्षण के निष्कर्ष एक व्यापक दृश्य दिखाते हैं। वहीं गुणात्मक शोधकार्य से इन बिन्दुओं को गहराई से समझने का अवसर मिलता है, जिससे यह पता चलता है कि यह प्रतिक्रियाएँ कहाँ से आ रही हैं और ये विभिन्न जनसंख्या समूहों में किस प्रकार अलग-अलग हैं।

कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष उन युवाओं की एक तस्वीर पेश करते हैं जो अपनी शैक्षणिक आकांक्षाओं के बारे में तो स्पष्ट हैं लेकिन जिनके पास भविष्य के काम के अवसरों और उन्हें प्राप्त करने के संभावित रास्तों के बारे में सीमित जानकारी है, और साथ ही जिनके पास तुरंत उपलब्ध विक्लपों के अतिरिक्त अन्य विकल्पों के बारे में सोचने के लिए सहायता सीमित है।

टेबल 52 : ज़िला, लिंग और आकांक्षित काम के अनुसार युवाओं का % (पृष्ठ 1)

ज़िला	लिंग	फौज	पुलिस	टीचर	डॉक्टर	नर्स	इंजीनियर	आई.ई.एस. (IAS)	आई.पी.एस. (IPS)	कोई भी सरकारी नौकरी	कोई भी निजी नौकरी	खिलाड़ी	कृषि संबंधित काम	खुद का या परिवार का व्यवसाय	अन्य	घर का काम	पता नहीं	काम नहीं करना चाहते	कुल
आंध्र प्रदेश : श्रीकाकुलम	पुरूष	23.6	13.2	3.0	2.8	0.3	16.3	1.5	1.2	9.2	7.1	1.4	1.4	0.0	6.3	0.2	7.7	4.9	100
	महिला	1.6	9.1	15.4	17.7	14.1	11.1	1.5	0.9	7.4	2.6	0.2	0.0	0.5	6.1	0.0	9.1	2.9	100
अरूणाचल प्रदेश : पापुम पारे	पुरूष	7.4	6.0	3.4	16.2	0.0	12.0	4.7	0.3	3.7	0.9	4.1	0.9	5.2	16.0	0.0	17.8	1.6	100
	महिला	2.4	2.8	6.0	15.7	18.0	3.1	0.3	1.4	1.0	0.4	1.5	1.8	0.4	18.4	0.0	24.1	2.9	100
असम : कामरूप	पुरूष	20.4	11.5	5.1	8.6	0.3	7.4	0.0	1.0	7.6	3.0	4.5	0.6	1.0	13.6	1.4	13.7	0.5	100
	महिला	4.4	14.1	15.1	17.4	17.8	1.0	0.5	1.9	6.0	0.4	0.1	0.3	0.0	5.8	0.3	13.8	1.3	100
बिहार : मुजफ्फरपुर	पुरूष	11.6	13.8	4.2	8.7	0.0	10.9	2.5	1.0	6.1	0.9	1.2	0.3	5.5	3.0	0.7	29.0	0.5	100
	महिला	2.5	12.7	15.1	11.3	1.8	2.7	3.6	1.0	3.8	0.0	0.0	0.0	0.6	3.5	1.2	39.3	1.0	100
छत्तीसगढ़ : गरियाबंद	पुरूष	11.6	12.0	9.9	8.7	0.0	1.5	1.2	0.4	1.9	0.8	0.4	13.4	3.0	5.3	1.2	27.0	1.8	100
	महिला	1.5	8.2	23.0	14.7	5.7	1.4	1.5	1.5	0.6	0.1	0.0	5.3	0.1	1.8	2.9	29.3	2.3	100
गुजरात : मेहसाणा	पुरूष	10.6	15.2	4.3	5.6	0.9	11.3	2.3	1.0	7.9	4.4	2.8	1.0	1.4	10.1	0.4	19.0	1.8	100
	महिला	1.9	14.8	16.2	9.6	9.4	2.6	1.9	2.1	3.2	1.4	0.0	0.2	0.3	7.4	4.7	22.7	1.8	100
हरियाणा : सिरसा	पुरूष	12.4	13.6	6.4	5.4	0.0	7.4	2.4	0.4	5.9	1.0	3.6	0.6	1.9	16.9	0.0	20.8	1.3	100
	महिला	2.4	13.2	25.2	12.1	2.2	2.4	2.6	4.3	2.5	1.0	0.8	0.0	0.5	15.1	1.3	13.9	0.6	100
हिमाचल प्रदेश : काँगड़ा	पुरूष	42.3	6.1	2.5	4.1	0.0	8.9	1.1	0.9	3.8	1.9	1.7	0.4	2.0	12.7	0.0	11.4	0.3	100
	महिला	6.8	12.5	17.7	18.1	3.0	3.2	2.7	3.3	5.5	0.4	0.1	0.3	1.8	13.0	0.0	11.1	0.4	100
जम्मू और कश्मीर : अंनतनाग	पुरूष	10.6	4.1	8.8	31.3	0.2	8.2	5.9	1.6	7.0	0.9	4.0	0.9	2.9	7.4	0.0	5.9	0.5	100
	महिला	1.0	3.6	11.6	41.7	2.3	1.1	7.4	2.0	8.6	0.3	0.2	0.0	0.8	10.0	0.6	5.3	3.7	100
झारखंड : पूर्वी सिंहभूम	पुरूष	10.4	8.5	6.0	5.6	0.2	11.5	0.7	0.8	4.8	1.9	4.8	2.2	1.8	6.0	2.3	31.5	1.1	100
	महिला	1.1	4.6	13.1	10.1	12.2	1.9	0.6	0.1	3.6	0.6	1.0	0.8	0.0	4.9	2.5	41.6	1.5	100
कर्नाटक : मैसूर	पुरूष	8.6	29.3	5.8	4.2	0.3	15.0	0.7	1.5	4.9	4.5	0.6	3.2	1.9	6.7	1.3	10.7	0.7	100
	महिला	0.6	11.6	20.9	19.1	7.5	11.1	2.4	0.6	5.1	3.0	0.2	0.4	0.9	8.2	0.4	6.2	2.0	100
केरल : एर्नाकुलम	पुरूष	4.8	4.6	1.0	4.2	8.6	13.2	0.8	0.0	1.3	1.2	2.6	0.0	1.0	35.5	0.0	21.2	0.0	100
	महिला	1.0	2.1	5.0	14.5	33.4	4.2	0.7	2.1	1.3	0.5	0.0	0.8	0.2	21.0	0.0	13.1	0.0	100
मध्य प्रदेश : भोपाल	पुरूष	11.9	12.7	2.4	11.4	0.0	5.7	1.9	1.9	3.4	2.4	0.7	4.4	6.7	5.7	0.2	26.3	2.4	100
	महिला	2.2	12.6	10.8	19.0	1.3	1.6	1.9	5.3	1.6	1.6	0.0	0.3	0.9	7.8	1.2	26.1	5.8	100
मध्य प्रदेश : जबलपुर	पुरूष	15.1	13.3	1.5	8.0	0.0	3.7	1.5	0.2	1.6	1.5	1.6	6.8	6.2	8.2	0.6	29.7	0.5	100
	महिला	2.2	13.2	11.2	17.0	3.6	0.9	1.7	3.0	0.8	1.2	0.0	0.6	0.2	6.4	2.4	34.5	1.2	100
महाराष्ट्र : नांदेड़	पुरूष	10.1	28.1	2.0	7.2	0.6	11.8	1.9	2.3	7.3	3.5	1.6	2.9	2.5	4.0	0.5	12.9	0.7	100
	महिला	2.3	20.9	8.0	15.9	6.6	7.7	2.0	4.1	7.3	0.4	0.3	0.5	0.8	3.9	1.2	15.5	2.8	100

टेबल 52 : ज़िला, लिंग और आकांक्षित काम के अनुसार युवाओं का % (पृष्ठ 2)

ज़िला	लिंग	फौज	पुलिस	टीचर	डॉक्टर	नर्स	इंजीनियर	आई.ई.एस. (IAS)	आई.पी.एस. (IPS)	कोई भी सरकारी नौकरी	कोई भी निजी नौकरी	खिलाड़ी	कृषि संबंधित काम	खुद का या परिवार का व्यवसाय	अन्य	घर का काम	पता नहीं	काम नहीं करना चाहते	कुल
मेघालय : पूर्वी खासी हिल्स	पुरूष	10.1	8.4	3.2	3.4	0.4	5.9	1.0	0.3	1.2	0.1	12.3	3.2	3.3	25.0	0.9	19.0	2.2	100
	महिला	2.2	9.2	18.5	10.0	14.6	2.2	0.4	0.0	1.4	0.0	0.9	1.2	1.3	18.4	2.6	16.2	1.0	100
मिज़ोरम : आइजोल	पुरूष	22.7	7.5	6.9	4.6	0.0	3.9	2.6	0.5	3.6	1.3	15.5	0.9	1.2	10.9	0.0	16.8	1.1	100
	महिला	4.5	6.9	18.6	16.6	12.6	0.9	2.5	0.3	2.5	0.7	2.6	0.0	0.4	18.6	1.3	10.2	0.8	100
नागालेंड : कोहिमा	पुरूष	30.5	5.8	7.2	3.6	0.2	10.3	0.0	0.5	1.7	0.4	5.2	0.3	0.4	18.6	0.0	15.2	0.3	100
	महिला	4.4	3.2	23.4	15.3	6.0	1.8	0.5	0.0	2.0	0.7	0.7	0.7	0.2	27.4	0.0	13.2	0.7	100
ओडिशा : संबलपुर	पुरूष	11.3	16.8	8.0	4.0	0.3	12.7	0.8	0.3	4.6	2.1	1.9	3.1	1.7	4.1	1.0	27.1	0.3	100
	महिला	3.5	11.4	23.5	7.2	12.7	0.7	1.0	0.9	2.8	0.6	0.4	0.6	0.4	1.9	1.8	29.4	1.2	100
पंजाब : एस. ए. एस. नगर	पुरूष	12.2	11.8	1.1	3.7	0.0	5.7	1.2	2.2	5.7	1.9	4.0	1.1	11.3	21.0	0.4	16.5	0.3	100
	महिला	4.0	7.8	11.8	15.8	3.5	2.8	2.5	3.8	4.4	2.9	0.2	0.0	2.1	25.8	0.4	11.3	1.1	100
राजस्थान : भीलवाड़ा	पुरूष	10.4	13.1	20.4	6.5	0.5	2.1	1.7	0.5	3.1	1.5	2.5	4.8	5.2	5.3	1.8	19.6	1.0	100
	महिला	3.0	14.7	33.6	10.5	2.3	0.2	1.9	1.9	1.8	0.5	0.6	0.6	1.0	3.2	3.1	18.9	2.3	100
तमिलनाडु : पेरम्बलूर	पुरूष	1.7	8.3	3.1	9.7	1.2	24.0	3.4	6.8	3.4	1.7	2.8	1.5	1.0	15.4	0.0	13.3	2.8	100
	महिला	0.1	2.3	7.7	21.0	23.3	3.5	7.5	2.9	2.8	0.9	0.7	1.8	0.5	14.8	0.1	9.4	0.7	100
तेलंगाना : खम्मम	पुरूष	3.8	9.8	8.9	4.7	0.5	8.2	0.9	2.0	4.3	2.3	4.6	5.1	0.2	5.4	2.7	18.8	18.0	100
	महिला	0.7	4.0	15.5	14.2	25.2	5.2	1.8	0.9	1.5	0.5	0.2	0.6	0.3	4.2	4.3	9.3	11.7	100
त्रिपुरा : दक्षिण त्रिपुरा	पुरूष	14.0	15.2	22.9	6.0	1.8	5.5	0.1	1.4	14.3	1.3	1.0	1.0	2.9	1.3	0.9	10.4	0.2	100
	महिला	3.8	12.4	31.5	8.9	14.5	2.0	0.7	1.3	10.0	1.1	0.0	0.4	0.5	3.0	0.6	9.3	0.0	100
उत्तर प्रदेश : हाथरस	पुरूष	10.3	15.7	1.8	7.8	0.2	8.6	3.1	1.0	7.7	3.8	1.1	1.1	2.6	6.3	1.0	27.0	1.1	100
	महिला	1.6	14.4	12.7	13.5	1.3	1.2	3.5	1.4	2.7	0.8	0.3	0.2	0.7	4.3	2.6	36.4	2.5	100
उत्तर प्रदेश : वाराणसी	पुरूष	9.1	12.0	2.8	16.2	0.0	10.9	3.4	0.7	4.0	2.4	2.6	0.5	3.1	7.1	0.4	24.4	0.6	100
	महिला	1.3	14.1	12.9	23.9	3.6	2.8	4.4	1.2	2.9	0.8	0.5	0.1	1.2	6.2	0.8	21.2	2.1	100
उत्तराखंड : टिहरी गढ़वाल	पुरूष	37.9	5.7	3.9	5.3	0.2	5.8	0.7	0.3	1.9	2.8	2.4	0.0	2.2	10.2	0.1	18.8	2.0	100
	महिला	7.0	14.7	17.3	16.4	2.0	1.5	0.7	2.0	1.5	0.8	0.4	1.0	0.5	10.4	0.5	22.5	0.8	100
पश्चिम बंगाल : कूचबिहार	पुरूष	16.2	10.7	8.6	3.5	0.2	7.2	0.1	0.9	3.7	3.2	0.9	6.0	7.5	7.7	2.3	19.1	2.4	100
	महिला	2.8	15.8	11.2	10.5	18.2	1.3	0.2	0.0	3.4	0.6	0.6	0.3	0.2	7.3	2.9	22.1	2.8	100
सभी ज़िले	पुरूष	13.8	13.6	6.0	7.1	0.5	9.6	1.7	1.1	5.4	2.5	2.2	2.5	3.4	7.9	0.9	19.9	2.0	100
	महिला	2.4	12.5	16.0	14.8	8.4	3.4	2.3	1.7	3.9	0.8	0.3	0.4	0.6	6.8	1.6	22.0	2.1	100